


# सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र





मिशन शक्ति फेज-6.0 का भव्य शुभारंभ, 1000 से अधिक महिलाओं पेज: 3

प्रियंका चोपड़ा ने फहाद फासिल की तेलुगु फिल्म 'डोंट पेज: 8



वर्ष : 02 | अंक : 189 | मंगलवार 13 अक्टूबर 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए


## शक्तियों के बंटवारे का उल्लंघन, सीजेआई ने राहुल गांधी को क्या याद दिलाया, यहां पढ़ें पूरी चिट्ठी

**नई दिल्ली:** भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे से मिलने से इनकार करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट में पहले से लंबित मुद्दों पर चर्चा के लिए बैठक करना 'शक्तियों के बंटवारे' के सिद्धांत के खिलाफ होगा। सीजेआई ने 11 अक्टूबर को लिखे एक पत्र में कांग्रेस नेताओं की उस अपील को ठुकरा दिया, जिसमें उन्होंने सोमवार को मुलाकात का समय मांगा था। वे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञान कुमार से जुड़ी अपनी मांगों को लेकर 'इंडिया' गठबंधन के सुप्रीम कोर्ट तक प्रस्तावित मार्च से पहले एक ज्ञापन सौंपना चाहते थे। सीईसी के इस्तीफे के अलावा, इस मेमोरेंडम में वोट की चोरी को रोकने, वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन को बंद करने और पेपर बैलेट सिस्टम को फिर से शुरू करने की मांग भी की जानी थी। 11 अक्टूबर को लिखे अपने पत्र में सीजेआई कांत ने कहा कि उनकी अपील में उठाए गए

# रक्षा मंत्री ने एशियाई खेलों में प्रदर्शन करने वाले सैन्य खिलाड़ियों से की मुलाकात, कहा-अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन



**विशेष रूप से लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 और उसके बाद...**

**रक्षा मंत्री ने कहा कि अब खिलाड़ियों और खेल प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों का ध्यान आने वाली चुनौतियों पर होना चाहिए। विशेष रूप से लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 और उसके बाद के ओलंपिक चक्र के लिए अभी से तैयारी मजबूत करनी होगी।**

**नई दिल्ली:** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारतीय सशस्त्र बलों के खिलाड़ियों की सराहना की है। सोमवार को उन्होंने कहा कि भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना के खिलाड़ियों ने सीमित संख्या में भाग लेने के बावजूद अपने अनुशासन, टीम भावना और मेहनत से बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इन खिलाड़ियों ने छह स्वर्ण, 11 रजत और 10 कांस्य सहित कुल 27 पदक जीते। एशियाई खेलों में विभिन्न सेनाओं के दल का यह अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। रक्षा मंत्री ने एशियाई खेल 2026 में हिस्सा लेने वाले सैन्य खिलाड़ी दल के साथ बातचीत भी की। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि भारत ने इन खेलों में कुल 85 पदक जीते हैं। इसमें सैन्य खिलाड़ियों का योगदान बेहद महत्वपूर्ण रहा है। भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना के कुल 92 खिलाड़ियों ने प्रतियोगिताओं में भाग लिया और 27 पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। राजनाथ सिंह ने कहा कि उन्हें यह देखकर बहुत गर्व हुआ कि इन खिलाड़ियों ने कम संख्या में प्रतियोगिताओं में उतरने के बावजूद अपनी मेहनत और अनुशासन के दम पर इतना शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने खिलाड़ियों की उपलब्धि को भारतीय सशस्त्र बलों की खेल परंपरा और मजबूत तैयारी का प्रमाण बताया। रक्षा मंत्री ने पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के साथ उन खिलाड़ियों का भी उत्साह बढ़ाया, जो पदक हासिल नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में भाग लेना, पूरी मेहनत से मुकाबला करना और अनुभव लेकर लौटना भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा, ह्वमेडल हासिल न कर पाना, हार जाने का प्रतीक नहीं होता। हार तो तब होती है, जब हम कोशिश करना छोड़ दें। आपने कोशिश नहीं छोड़ी। आपने भारत का नाम रोशन किया। आपने भारतीय सशस्त्र बलों का मान बढ़ाया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि खिलाड़ियों को अपनी उपलब्धियों पर गर्व करना चाहिए और भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए इसी लगन के साथ तैयारी जारी रखनी चाहिए। उनके अनुसार, खेलों में सफलता के लिए निरंतर प्रयास, आत्मविश्वास और कठिन परिस्थितियों में डटे रहने की क्षमता बेहद जरूरी है। रक्षा मंत्री ने मिशन ओलंपिक विंग के प्रयासों की भी विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान करने, उन्हें आगे बढ़ाने, वैज्ञानिक प्रशिक्षण देने और उच्च स्तरीय खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने में इस विंग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों को समय पर सही अवसर, व्यवस्थित प्रशिक्षण और जरूरी सहयोग मिलना चाहिए। मिशन ओलंपिक विंग ने सैन्य सेवाओं के खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने हमेशा ऐसे खिलाड़ी दिए हैं, जिनमें शारीरिक क्षमता के साथ अनुशासन, धैर्य और नेतृत्व जैसे गुण भी होते हैं।

## देश में अस्थिरता और अराजकता फैला रहे हैं राहुल गांधी, अनुराग ठाकुर का तीखा हमला



**नई दिल्ली।** बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर देश में अस्थिरता और अराजकता फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि गांधी की हरकतें संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने और वैश्विक स्तर पर भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने के मकसद से की जा रही हैं। बीजेपी मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए ठाकुर ने कहा कि देश ने विपक्ष के किसी नेता की ओर से कभी भी इस तरह की "नौटंकी और बचकानी हरकतें" नहीं देखीं। उन्होंने गांधी को अस्थिरता फैलाने वाला, अराजकतावादी और गैर-गंभीर करार दिया। "वोट चोरी" के बार-बार लगाए जा रहे आरोपों को लेकर गांधी पर निशाना साधते हुए ठाकुर ने दावा किया कि कांग्रेस नेता जनता के जनादेश को चुनौती दे रहे हैं। अनुराग ठाकुर ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी एक ह्यहवा-हवाई नेता हैं। उनकी राजनीति का पूरा तरीका ही हवा-हवाई है – खोखले बयान, बेबुनियाद आरोप, खोखले काम, खोखले विरोध और खोखले तथ्य। ठाकुर ने आरोप लगाया कि गांधी बार-बार चुनाव आयोग, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) और मुख्य चुनाव आयुक्त समेत अलग-अलग संस्थाओं पर दोष मढ़ते रहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि हालात अब इतने खराब हो गए हैं कि राहुल गांधी सड़क छाप भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं और बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। ठाकुर ने कहा कि राहुल जी, देश को सच की जरूरत है, शोर-शराबे की नहीं। उसे सबूत चाहिए, आरोप नहीं। उसे साफ जवाब चाहिए, राजनीतिक बयान नहीं। उन्होंने यह भी दावा किया कि जब गांधी राष्ट्रपति से मिलने गए थे, तो उनसे अपनी शिकायत के साथ सबूत देने को कहा गया था, लेकिन वे चुप रहे। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने आगे आरोप लगाया कि सुप्रीम कोर्ट ने गांधी को साफ कर दिया था कि वे कोर्ट को अपनी राजनीति का अखाड़ा नहीं बना सकते। ठाकुर ने उन मामलों में न्यायपालिका के पास जाने के गांधी के तरीके पर भी सवाल उठाए, जो अभी लंबित हैं।

## सुप्रीम कोर्ट तक मार्च कर रहे राहुल को पुलिस ने रोका, हजारों की संख्या में जुटे लोग, विपक्षी नेताओं की अर्जी पर कल होगी सुनवाई



**नई दिल्ली।** लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की अगुवाई में इंडिया गठबंधन के नेताओं ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के खिलाफ याचिका दायर की। इसमें आरोप लगाया गया है कि वोटर लिस्ट में बदलाव के दौरान बड़े पैमाने पर वोटरों के नाम हटाए गए और गड़बड़ियां हुईं। याचिका में शांतिपूर्ण प्रदर्शनों पर लगाई गई पाबंदियों को लेकर भी चिंता जताई गई है। यह याचिका तब दायर की गई जब इंडिया गठबंधन के सांसदों और समर्थकों ने 'स्पेशल इंटेंसिव रिविजन' (रक्फ्र) में कथित चुनावी गड़बड़ियों के विरोध में सुप्रीम कोर्ट तक 'मार्च फॉर डेमोक्रेसी' निकाला। इसके बाद गांधी की कानूनी टीम ने कांग्रेस नेता और विपक्ष के अन्य नेताओं की ओर से यह याचिका दायर की। बाराखंभा से सुप्रीम कोर्ट तक मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रियंका गांधी के साथ मार्च कर रहे राहुल गांधी को भगवान दास रोड पर रोक दिया गया है। वहां पर दिल्ली पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी है और आगे नहीं बढ़ने दिया जा रहा है। भगवान दास रोड पर पुलिस बलों को काफी संख्या में तैनात किया गया है। इसमें पैरामिलिट्री फोर्स के साथ यूपी पुलिस भी शामिल है। इस मामले में दूसरे याचिकाकर्ता कौन हैं? दिल्ली में सीईसी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन लाइव : चुनाव आयोग के खिलाफ दायर याचिका में राहुल गांधी मुख्य याचिकाकर्ताहैं।अन्य याचिकाकताओं में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव, राजद के तेजस्वी यादव, टीएमसी के सौगत रॉय, शिवसेना (यूटीबी) के संजय राउत, झामुमो की महुआ माजी, सीपीएम के एमए बेबी, एनसीपी (एसपी) की सुप्रिया सुले, सीपीआई के डी राजा और आईयूएमएल के एट मोहम्मद बशीर शामिल हैं। इससे पहले, जब भारत के मुख्य न्यायाधीश ने लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के नेताओं के साथ बैठक के अनुरोध को ठुकरा दिया था, तो गांधी ने सुप्रीम कोर्ट जाने का अपना फैसला घोषित किया था। कांग्रेस मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से इस्तीफा देने और सरकारी गवाह बनने को कहा। उन्होंने आरोप लगाया कि ईसीआई प्रमुख उस कथित गड़बड़ी के मुख्य सूत्रधार नहीं थे। गांधी ने कहा इस्तीफा दें, सरकारी गवाह बनें; आपने (कुमार) गलती की है लेकिन आप उस गलती के पीछे का असली दिमाग नहीं हैं।

## राहुल गांधी के आरोपों पर शिवराज का पलटवार, अराजकता से सत्ता पाना चाहती है कांग्रेस



**नई दिल्ली:** केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कांग्रेस पर सत्ता पाने के लिए 'अराजकता फैलाने' और संवैधानिक संस्थाओं की साख गिराने का आरोप लगाया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस गुंडों का एक समूह है जो सड़कों पर अराजकता फैलाने और सिस्टम का विरोध करने की कोशिश कर रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अब यह विदेशी ताकतों के हाथों की कठपुतली बन गई है। सत्ता के लिए वे कभी बम बनाने वालों, कभी कॉकरोच, कभी जॉर्ज सोरोस जैसी देश-विरोधी ताकतों और कभी एनजीओ का सहारा लेते हैं। सिंह ने कहा कि कई सालों से कांग्रेस पार्टी लगातार संवैधानिक संस्थाओं पर हमला कर रही है। यह उस स्थिति में पहुंच गई है जहां चुनावी हार के लिए संवैधानिक संस्थाओं को दोष देना एक पैटर्न बन गया है। लगातार चुनाव हारना और उसके बाद विरोध प्रदर्शन करना और मुद्दों को सड़कों पर ले जाना कांग्रेस की नियति बन गई है। इसका कारण चुनाव आयोग नहीं, बल्कि कांग्रेस का दिशाहीन नेतृत्व है। उत्तर प्रदेश में लगातार आपसी कलह चल रही है; पंजाब में प्रदेश अध्यक्ष को बदलना पड़ा; कई जगहों पर नेतृत्व के बीच अंदरूनी झगड़े चल रहे हैं। यह कांग्रेस का नेतृत्व है। ऐसा नेतृत्व जो देश और उसके लोगों को नहीं जानता। चौहान ने कहा कि कांग्रेस ओडिशा में 26 साल, नागालैंड में 23 साल, गोवा में 15 साल और दिल्ली में 13 साल से सत्ता से बाहर है, और तीन-चार राज्यों को छोड़कर बाकी राज्यों में यह एक जूनियर पार्टनर बनकर रह गई है। उन्होंने आगे कहा तमिलनाडु में यह अन्नाद्रमुक पर निर्भर है; बिहार में राजद पर; उत्तर प्रदेश में कभी सपा तो कभी बसपा पर; झारखंड में झामुमो पर; और जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस पर। कांग्रेस एक जूनियर पार्टनर और एक छोटी खिलाड़ी बनकर रह गई है। राहुल गांधी का आरोप- बीजेपी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बचा रही है इससे पहले, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बीजेपी पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बचाने का आरोप लगाया। उन्होंने विरोध प्रदर्शनों के दौरान दिल्ली में लगाई गई

## दिल्ली उच्च न्यायालय में वकीलों ने पढ़ी प्रस्तावना, पुलिस कार्रवाई के विरोध में बांधा काला रिबन

**नई दिल्ली:** दिल्ली हाई कोर्ट के लॉन में कई वकील और सीनियर वकील इकट्ठा हुए और उन्होंने संविधान की प्रस्तावना पढ़ी। उन्होंने संकल्प लिया कि "हम उस बात को फिर से दोहराते हैं जिसे हमने अपनाया, लागू किया और खुद को दिया यानी यह संविधान। यह जमावड़ा दिल्ली हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के उस निर्देश के एक दिन बाद हुआ, जिसमें एसोसिएशन ने अपने सदस्यों से कहा था कि वे सोमवार को कोर्ट में पेशी के दौरान काली रिबन पहनें। यह विरोध प्रदर्शन एंटी-रक्फ्रप्रोटेस्ट के दौरान वकीलों के साथ पुलिस की कथित ज्यादतियों के खिलाफ था। दोपहर करीब 1:30 बजे वकील लॉन के पास इकट्ठा होने लगे; कई युवा वकीलों के साथ वरिष्ठ वकील भी शामिल हुए, जिनमें राजशेखर राव, वारिशा फरासत और दिया कपूर शामिल थे। यह जमावड़ा काफी हद तक अचानक हुआ था, हालाँकि पता चला है कि दिन में पहले ही ग्रुप्स में एक अपील वाला मैसेज भेजा गया था। मैसेज में यह भी कहा गया था कि 'लॉयर्स एसोसिएशन फॉर कॉन्स्टिट्यूशन' एकजुटता दिखाने के लिए दोपहर 1:30 बजे संविधान की प्रस्तावना पढ़कर अपना समर्थन दे रही है। दोपहर 1:39 बजे, सीनियर एडवोकेट राजशेखर राव ने एक कविता सुनाई, जिसमें संविधान की प्रस्तावना में बताए गए सिद्धांतों को फिर से दोहराया गया। राव ने कविता पढ़ते हुए कहा जिस संविधान को हमने अपनाया था, ऐसा लगता है कि वह अब खत्म हो गया है। कविता खत्म होने पर वहां मौजूद वकीलों ने तालियां बजाईं, उनकी तारीफ की और 'बहुत बढ़िया' कहा। इसके बाद वहाँ मौजूद लोगों ने प्रस्तावना पढ़ी; उनकी आवाज इतनी तेज थी

## बिहार में बाढ़ पीड़ितों को डीबीटी से मिले 112.14 करोड़ रुपये, सम्राट चौधरी ने जारी की राहत



**पटना:** बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 12 अक्टूबर को बाढ़ से प्रभावित 1,60,201 परिवारों के बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए 112.14 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए। हर परिवार को 7,000 रुपये की आर्थिक सहायता मिली। अब तक, बाढ़ से प्रभावित कुल 10,37,391 परिवारों को राहत दी जा चुकी है, जिसके तहत कुल 726.17 करोड़ रुपये की राशि दी गई है। 6 अक्टूबर को मुख्यमंत्री चौधरी ने राज्य में बाढ़ की स्थिति और उससे हुए नुकसान का जायजा लिया और अधिकारियों को जल्द से जल्द विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। यह समीक्षा बैठक लोक सेवक आवास स्थित ह्यसंकल्पह्ल सभागार में हुई, जिसमें बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद नितिन नवीन भी शामिल हुए। जल संसाधन विभाग के सचिव डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने मुख्यमंत्री को बाढ़ के कारणों और स्थिति के क्रमिक विकास के बारे में जानकारी दी। पहले चरण में, गंगा, सोन, घाघरा, कोसी और पुनपुन नदियों में जलस्तर ने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ते हुए नया उच्चतम स्तर दर्ज किया। दूसरे चरण में, भारी बारिश के कारण गंडक नदी का जलस्तर चार स्थानों पर अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा, पश्चिम चंपारण, गोपालगंज और सारण जिलों में छह स्थानों पर तटबंध क्षतिग्रस्त हो गए। आपदा प्रबंधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल ने बाढ़ के बीच चलाए जा रहे राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री चौधरी ने कहा कि इस वर्ष गंभीर बाढ़ की स्थिति गंगा, गंडक और सोन नदियों में पिछले वर्षों की तुलना में असाधारण रूप से अधिक जल स्तर के कारण उत्पन्न हुई है। उन्होंने नदी तल में गाद के जमाव को भी एक प्रमुख कारण बताया और इस बात पर प्रकाश डाला कि बिहार भारत का पहला राज्य है जिसने गाद नीति बनाई है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे नदियों की वर्तमान स्थिति और बाढ़ से हुए नुकसान की लगातार निगरानी करें और प्रभावित क्षेत्रों में राहत, पुनर्वास और आवश्यक विकास कार्यों को सुगम बनाने के लिए

# सुप्रीम कोर्ट की ओर बढ़ रहे इंडिया गठबंधन नेताओं को दिल्ली पुलिस ने रोका



**वोट चोरी रोकने और मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर उच्चतम न्यायालय जा रहे विपक्षी नेताओं को पुलिस ने भगवान दास रोड पर अवरोधक लगाकर रोक दिया। इस मार्च में राहुल गांधी...**

**नई दिल्ली:** वोट चोरी रोकने, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया पर रोक लगाने और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर उच्चतम न्यायालय की ओर मार्च कर रहे विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेताओं को सोमवार को पुलिस ने भगवान दास रोड पर रोक दिया। पुलिस ने भगवान दास रोड पर दो जगह अवरोधक लगा रखे थे। पहले अवरोधक को कांग्रेस और अन्य सहयोगी दलों के कार्यकर्ताओं ने हटा दिया। इसके बाद उच्चतम न्यायालय के निकट लगाए गए दूसरे अवरोधक पर नेताओं और कार्यकर्ताओं को रोक दिया गया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और इंडिया गठबंधन के विभिन्न घटक दलों के नेता एक एक ट्रक पर सवार होकर बाराखंबा रोड से उच्चतम न्यायालय के लिए रवाना हुए थे। कई नेता और कार्यकर्ता पैदल ही उच्चतम न्यायालय की तरफ रवाना हुए। कई नेता बसों में सवार थे। इससे पहले विपक्षी दलों के नेता कॉन्स्टिट्यूशन क्लब से बसों में सवार होकर बाराखंबा रोड पहुंचे थे और वहां एकत्र होने के बाद उन्होंने उच्चतम न्यायालय की ओर मार्च शुरू किया। ह्यइंडियाह्ल गठबंधन के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस और सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया था। कांग्रेस ने इस विरोध प्रदर्शन को चलो दिल्ली–लोकतंत्र के लिए मार्च नाम दिया है। इस मार्च में शामिल कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, ज्ञानेश कुमार और भाजपा के खिलाफ पुरजोर नारेबाजी की। राहुल गांधी ने इससे पहले संवाददाताओं से कहा था कि वह और इंडिया गठबंधन के अन्य नेता उच्चतम न्यायालय जाएंगे तथा मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ याचिका दायर करेंगे। उन्होंने कहा था, आज हम और इंडिया गठबंधन के नेता उच्चतम न्यायालय जाएंगे और याचिका दायर करेंगे। जो प्रतिरोध चल रहा है, वह एक दिन की बात नहीं है। हम लगातार यह कर रहे हैं। गांधी ने केंद्र सरकार पर लोगों को दिल्ली पहुंचने से रोकने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि राष्ट्रीय राजधानी को पूरी तरह से किले में तब्दील कर दिया गया है और बड़ी संख्या में पुलिस तथा सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। विपक्ष की मांग है कि वोट चोरी पर रोक लगाई जाए, मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दें और मतदाता सूची के एसआईआर की प्रक्रिया रोकी जाए। इससे पहले, खरगे और गांधी ने प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत से मुलाकात का समय मांगा था, ताकि उनके समक्ष कथित वोट चोरी का मुद्दा उठाया जा सके और एक ज्ञापन सौंपा जा सके।

# संपादकीय

## सख्ती पर सवाल

पिछले दिनों राजधानी दिल्ली में हुए विरोध प्रदर्शनों पर सरकार की सख्ती के उपरांत सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप यह बताता है कि कानून-व्यवस्था बनाये रखने के नाम पर संविधान द्वारा नागरिकों को मिली आजादी का अतिक्रमण नहीं किया जा सकता। कोर्ट द्वारा हिरासत में रखे लोगों को रिहा करने, मेट्रो सेवाएं बहाल करने तथा इंटरनेट सुविधा यथाशीघ्र चालू करने का निर्देश देकर कोर्ट ने साफ संदेश देने का प्रयास किया कि शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन लोकतंत्र में एक मूलभूत अधिकार है, न कि सरकार द्वारा दी गई सुविधा। उल्लेखनीय है कि गत दस अक्तूबर को कॉकरोच जनता पार्टी और कुछ अन्य संगठनों ने मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। जिसको रोकने के लिये दिल्ली सरकार ने अभूतपूर्व सुरक्षा उपाय किए थे। इस दौरान सात हजार से अधिक लोगों को हिरासत में लिए जाने को लेकर सवाल उठाये गए। लोगों ने जगह-जगह सड़कों पर अवरोधक लगाने, क्षेत्र के मेट्रो स्टेशनों पर बंदिश लगाने तथा प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध सख्ती को लेकर चिंता जाहिर की। कहा गया कि पुलिस ने एहतियाती दायित्वों से बढ़कर आंदोलनकारियों के खिलाफ कार्रवाई की। निस्संदेह, आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जवाबदेही अधिकारियों की बनती है। जब आंदोलन आदि के दौरान हिंसा होने और सार्वजनिक व्यवस्था भंग होने की आशंका हो तो आसन्न खतरों के मद्देनजर अधिकारियों की कार्रवाई करना बनता है। लेकिन यह भी जरूरी है कि इन अधिकारों का उपयोग कानून की सीमाओं में ही किया जा सकता है। लेकिन सवाल है कि सिर्फ शांति पूर्ण ढंग से एकत्र होने पर लोगों को हिरासत में लेना, निर्धारित निषेधाज्ञा वाले इलाकों से बहुत दूर तक आवाजाही पर प्रतिबंध लगाना, सार्वजनिक सेवाओं पर रोक लगे तो क्या यह आम लोगों को दंड देने जैसा नहीं है? तभी शीर्ष अदालत ने कोर्ट-परिसर के आस-पास रोक लगाने वाले नोटिस भी तुरंत हटाने के निर्देश दिए। जिससे नागरिक-अधिवक्ता बिना किसी बाधा के यहां पहुंच सकें। दरअसल, विपक्षी दल लोगों को हिरासत में रखने और जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग की निष्पक्ष जांच की भी मांग कर रहे हैं। निस्संदेह, पुलिस को भी अपनी बात रखने का मौका दिया जाए। बेशक, प्रदर्शनकारियों के साथ ही कानून लागू करने वाली एजेंसियों को भी जवाबदेह बनाया जाए।

# लोकतंत्र में विरोध का अधिकार सर्वोपरि लेकिन कानून से ऊपर कोई नहीं


कांतिलाल मांडोत

लोकतंत्र में सरकार की नीतियों का विरोध करना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है, लेकिन इस अधिकार की सार्थकता तभी बनी रहती है, जब उसके साथ संवैधानिक मयार्दाओं और कानून के प्रति सम्मान भी जुड़ा हो। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली में हुए प्रदर्शन ने एक बार फिर राजनीतिक विरोध, नागरिक स्वतंत्रता और कानून-व्यवस्था के बीच संतुलन का प्रश्न खड़ा कर दिया है। दस अक्टूबर को हुए प्रदर्शन के बाद ग्यारह अक्टूबर को भी राजधानी में विरोध जारी रहा। कॉकरोच जनता पार्टी के नेताओं की हिरासत और रिहाई, छात्र संगठनों के मार्च, पुलिस की कार्रवाई तथा सर्वोच्च न्यायालय में हुई सुनवाई ने इस घटनाक्रम को राष्ट्रीय राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया है।

कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके, आशुतोष रांका और सौरव दास को दिल्ली पहुंचने के बाद हिरासत में लिए जाने और लगभग तेईस घंटे बाद रिहा किए जाने की खबर ने राजनीतिक माहौल को और गर्म कर दिया। दिल्ली पुलिस के अनुसार, तीनों को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धाराओं 126 और 170 के तहत एहतियातन हिरासत में लिया गया था। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया गया। इसके बाद तीनों ने एक वर्ष तक शांति बनाए रखने और अच्छे व्यवहार के लिए पचास हजार रुपये का जमानती मुचलका भरा, जिसके बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। यह घटनाक्रम बताता है कि सार्वजनिक जीवन में राजनीतिक सक्रियता के साथ कानूनी प्रक्रिया की जानकारी और उसका पालन भी आवश्यक है।

रिहाई के बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने अपने सामाजिक माध्यम खाते पर लिखा कि कॉकरोच कभी नहीं मरते। पार्टी के नेताओं ने पत्रकारों से बातचीत में हिरासत की कार्रवाई पर सवाल उठाए और सरकार तथा चुनाव आयोग को लेकर गंभीर आरोप लगाए। आशुतोष रांका ने दावा किया कि उन्हें और उनके साथियों को विमान से उतरते ही हिरासत में ले लिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार चुनाव आयोग को बचाना चाहती है और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार सत्तारूढ़ दल के पक्ष में काम कर रहे हैं। ये राजनीतिक आरोप हैं, जिनकी सत्यता का निर्धारण संबंधित तथ्यों, साक्ष्यों और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्ष जांच के आधार पर होना चाहिए। किसी भी आरोप को केवल राजनीतिक बयान के आधार पर अंतिम सत्य मान लेना लोकतांत्रिक विमर्श को कमजोर करता है।

इस पूरे प्रकरण में विपक्ष की रणनीति भी महत्वपूर्ण है। मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर सड़कों पर उतरना राजनीतिक दबाव बनाने का तरीका हो सकता है, लेकिन किसी संवैधानिक पदाधिकारी का भविष्य केवल नारों और भीड़ के दबाव से तय नहीं किया जा सकता। चुनाव आयोग की निष्पक्षता, मतदाता सूची के पुनरीक्षण और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े प्रश्नों पर तथ्यपरक बहस होनी चाहिए। यदि विपक्ष को किसी प्रक्रिया में अनियमितता दिखाई देती है, तो उसे प्रमाणों के साथ संबंधित संवैधानिक और न्यायिक मंचों पर अपनी बात रखनी चाहिए। लोकतंत्र में सवाल पूछना जरूरी है, लेकिन सवालों के उत्तर भी प्रमाण, प्रक्रिया और कानून के आधार पर ही खोजे जाने चाहिए।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर उठने वाले सवाल केवल सत्ता पक्ष या विपक्ष तक सीमित नहीं रहते। उनका प्रभाव आम मतदाता के विश्वास पर पड़ता है। यदि चुनाव प्रक्रिया पर संदेह है, तो उसका समाधान पारदर्शिता, सार्वजनिक तथ्यों और निष्पक्ष परीक्षण से निकलना चाहिए। दूसरी ओर, किसी संस्था के प्रति समर्थन जताने का अर्थ यह नहीं हो सकता कि उससे जवाबदेही के प्रश्न ही न पूछे जाएं। संवैधानिक संस्थाओं की मजबूती निष्पक्षता, स्वतंत्रता और जनता के विश्वास से आती है। इसलिए सत्ता पक्ष को भी आरोपों का उत्तर तथ्यों के साथ देना चाहिए और विपक्ष को भी अपने दावों की प्रमाणिकता सुनिश्चित करनी चाहिए।

दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में दो याचिकाओं पर सुनवाई ने नागरिक अधिकारों के प्रश्न को और महत्वपूर्ण बना दिया। याचिकाओं में प्रदर्शनकारियों की हिरासत, पुलिस के कथित दुर्व्यवहार, बैरिकेडिंग और मेट्रो सेवाओं में व्यवधान जैसे मुद्दे उठाए गए। वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों के अधिकारों की रक्षा और लोगों की आवाजाही बहाल करने की मांग की। न्यायालय ने निर्देश दिया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत प्रतिबंधित क्षेत्रों से बाहर शांतिपूर्ण और बिना हथियार प्रदर्शन करने वालों को केवल प्रदर्शन करने के कारण हिरासत में न लिया जाए। साथ ही, कानून के अनुरूप नागरिकों की आवाजाही सुनिश्चित करने और निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने पर जोर दिया गया। ये निर्देश स्पष्ट करते हैं कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी निभाते समय नागरिक स्वतंत्रता का सम्मान भी अनिवार्य है।

दिल्ली में बीस से अधिक प्राथमिकी दर्ज किए जाने की खबर और छात्र संगठनों के कार्यकताओं की हिरासत ने भी प्रशासन की भूमिका पर चर्चा बढ़ाई है। पुलिस का दायित्व है कि वह हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान और सरकारी कार्य में बाधा जैसी गतिविधियों पर कानून के अनुसार कार्रवाई करे। लेकिन शांतिपूर्ण प्रदर्शन और हिंसक गतिविधियों के बीच स्पष्ट अंतर करना भी उतना ही जरूरी है। किसी व्यक्ति के राजनीतिक विचार या सरकार की आलोचना मात्र को अपराध का आधार नहीं बनाया जाना चाहिए। इसी तरह प्रदर्शनकारियों को भी यह समझना होगा कि सार्वजनिक सड़कों, परिवहन सेवाओं और आम नागरिकों के दैनिक जीवन को अनिश्चितकाल तक बाधित करना उनके अधिकारों की सीमा से जुड़ा प्रश्न है।

इस विवाद का एक मानवीय पक्ष भी सामने आया, जब अभिजीत दीपके की मां ने कहा कि यदि उनके बेटे को पहले रिहा कर दिया जाता, तो वह अपनी दादी के अंतिम संस्कार में शामिल हो सकता था। परिवार की इस पीड़ा को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से अलग रखकर देखा जाना चाहिए। कानून लागू करने वाली संस्थाओं को प्रत्येक मामले में संवेदनशीलता और आवश्यक मानवीय परिस्थितियों का ध्यान रखना चाहिए। वहीं, हिरासत से जुड़े निर्णयों की वैधता का मूल्यांकन तथ्यों और लागू कानूनी प्रावधानों के आधार पर होना चाहिए।

राजनीतिक आंदोलनों के पीछे विदेशी साजिश, युवाओं को पैसे देकर प्रदर्शन में लाने या सरकार को अस्थिर करने जैसे आरोप भी सार्वजनिक विमर्श में सामने आते रहते हैं। लेकिन ऐसे गंभीर दावों को प्रमाण के बिना स्वीकार करना उचित नहीं है। यदि किसी के पास धन के बदले भीड़ जुटाने, हिंसा भड़काने या विदेशी हस्तक्षेप के ठोस प्रमाण हैं, तो उन्हें जांच एजेंसियों और संबंधित अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया जाना चाहिए। बिना प्रमाण पूरे आंदोलन या उसमें शामिल प्रत्येक युवा को किसी षड्यंत्र का हिस्सा बताना भी न्यायसंगत नहीं होगा। युवाओं की राजनीतिक भागीदारी लोकतंत्र का हिस्सा है, बशर्ते वह शांतिपूर्ण और कानूनसम्मत हो।

अंततः दिल्ली का यह घटनाक्रम सरकार, विपक्ष, पुलिस और प्रदर्शनकारियों सभी के लिए एक परीक्षा है। विपक्ष को अपनी बात रखने के लिए संवैधानिक रास्तों और प्रमाणों पर भरोसा करना चाहिए। सरकार तथा प्रशासन को आलोचना का उत्तर पारदर्शिता और जवाबदेही से देना चाहिए। पुलिस को कानून लागू करते समय निष्पक्षता बनाए रखनी चाहिए और प्रदर्शनकारियों को अपने अधिकारों के साथ अपने दायित्व भी याद रखने चाहिए। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में न सरकार को मनमानी की छूट है, न विपक्ष को कानून तोड़ने का अधिकार। भारत की लोकतांत्रिक शक्ति इसी संतुलन में निहित है कि असहमति को स्थान मिले, संस्थाओं की जवाबदेही बनी रहे और सार्वजनिक जीवन में कानून का शासन सर्वोपरि हो। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

# वैश्विक पटल पर भारत की गरिमा और कूटनीतिक मौन का जोखिम


दिलीप कुमार पाठक

मस्क साहब, हद में रहिए! व्यापार करिए, भारत के शीर्ष नेतृत्व पर राजनीति नहीं

हाल ही में अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क ने मुकेश अंबानी को संबोधित करते हुए भारत के प्रधानमंत्री पद पर तंज कसा। ऊपर से देखने में यह दो बड़े कारोबारियों के बीच की सामान्य बातचीत लग सकती है, लेकिन असल में यह भारत के सर्वोच्च लोकतांत्रिक पद की गरिमा पर किया गया एक गैर-जिम्मेदाराना हमला है। जब विदेश का कोई बिजनेसमैन भारत के शीर्ष नेतृत्व को लेकर इस तरह की हल्की टिप्पणी करता है, तो बात केवल एक व्यक्ति की नहीं रह जाती। यह सीधे तौर पर हमारे देश के सम्मान और उसकी संप्रभुता से जुड़ जाती है।

इस पूरे मामले के सामने आने के बाद देश में एक बहस छिड़ गई है कि क्या भारत के प्रधानमंत्री को खुद सामने आकर ऐसे बयानों का जवाब देना चाहिए? इसका सीधा और साफ जवाब है - बिल्कुल नहीं। भारत 140 करोड़ से ज्यादा आबादी वाला देश है, दुनिया की सबसे पुरानी महान सभ्यताओं में से एक है और आज एक बड़ी आर्थिक ताकत है। ऐसे देश के प्रधानमंत्री का पद बहुत जिम्मेदारी और व्यस्तता वाला होता है। उनका काम देश चलाना है, न कि किसी विदेशी बिजनेसमैन या सोशल मीडिया स्टार के तंज पर रोज सफाई देना या उनके साथ बहस में उलझना।

लेकिन यहाँ असली सवाल यह उठता है कि अगर प्रधानमंत्री खुद जवाब नहीं दे रहे हैं, तो क्या इसका मतलब यह है कि पूरा देश चुप बैठ जाए? अंतरराष्ट्रीय राजनीति में जब आप किसी टिप्पणी पर बिल्कुल चुप रह जाते हैं, तो लोग उसे आपकी कमजोरी या सहमति मान लेते हैं। यहीं पर हमारे विदेश मंत्रालय और दूसरे मंत्रियों की बड़ी लापरवाही सामने आती है। सच यह है कि पिछले कुछ समय से हमारा कूटनीतिक तंत्र काफी सुस्त और जरूरत से ज्यादा दबकर काम कर रहा है। चाहे अमेरिकी नेताओं के उटपटांग बयान हों या डोनाल्ड ट्रंप की बिन-मांगे दी गई सलाह - हमारा विदेश मंत्रालय हर बार संयम और मयार्दा के नाम पर चुप्पी साध लेता है या फिर बहुत ढीला-ढाला जवाब देकर पल्ला झाड़ लेता है। हद से ज्यादा संयम दिखाना भी सही नहीं होता, क्योंकि जब आप बार-बार चुप रहते हैं, तो सामने वाला आपकी शराफत को आपकी झिझक समझने लगता है। विदेश मंत्रालय की इसी ढिलाई का नतीजा है कि आज एलन मस्क जैसे उद्योगपतियों की भी इतनी हिम्मत हो गई कि वे भारत के पीएम पद पर तंज कसने लगे।

कूटनीति का मतलब सिर्फ बड़े-बड़े दौरों पर जाना या औपचारिक प्रेस नोट जारी करना नहीं होता। कूटनीति का असली काम देश के मान-सम्मान की रक्षा करना है। विदेश मंत्रालय और हमारे मंत्रियों को मस्क को तुरंत और सख्त लहजे में यह याद दिलाना चाहिए था कि वे सिर्फ एक बिजनेसमैन हैं, किसी देश के राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री नहीं। अपनी सीमा में रहकर बात करना ही उनके और उनके बिजनेस के लिए अच्छा है। बिजनेस करने और किसी देश की राजनीति पर तंज कसने के बीच एक दायरा होता है, और किसी भी धनकुबेर को वह दायरा लांघने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। अमेरिका को भी यह अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि भारत के साथ रिश्ते बराबरी और सम्मान के दम पर ही आगे बढ़ सकते हैं। कोई भी बिजनेसमैन कितना भी अमीर क्यों न हो, उसे किसी दूसरे देश के लोकतांत्रिक पदों का मजाक उड़ाने का हक नहीं मिल जाता।

निष्कर्ष बहुत सीधा है - भारत को हर उकसावे और हर तंज का मुंहतोड़ जवाब देना ही होगा। लेकिन इस काम के लिए हर बार पीएम ही सामने आएं, यह बिल्कुल जरूरी नहीं है। इसके लिए हमारे पास पूरा विदेश मंत्रालय है और कई ज़िम्मेदार मंत्री हैं। हमारे मंत्रियों को अपनी इस सुस्ती को छोड़ना होगा और आगे आकर मस्क जैसे लोगों को साफ और कड़े शब्दों में समझाना होगा कि वे उद्योगपति हैं, तो उद्योगपति बनकर ही रहें। जब तक हमारा शासन तंत्र हर स्तर पर अपनी बात मजबूती से नहीं रखेगा, तब तक दुनिया के मंचों पर ऐसे गैर-जिम्मेदाराना बयानों का सिलसिला रुकने वाला नहीं है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

## चिंतन-मनन

# सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख

पिछले दिनों में राष्ट्रीय रंगमंच पर जिस प्रकार का राजनीतिक चरित्र उभरकर आ रहा है, वह एक गंभीर चिंता का विषय है। ऐसा लगता है, राजनीति का अर्थ देश में सुव्यवस्था बनाए रखना नहीं, अपनी सत्ता और कुर्सी बनाए रखना है। राजनीतिज्ञ का अर्थ उस नीति-निपुण व्यक्तित्व से नहीं है, जो हर कीमत पर राष्ट्र की प्रगति, विकास-विस्तार और समृद्धि को सर्वोपरी महत्व दे; किंतु उस विदूषक-विशारद व्यक्तित्व से है, जो राष्ट्र के विकास और समृद्धि को अवनति के गर्त में फेंककर भी अपनी कुर्सी को सर्वोपरि महत्व देता हो। राजनेता का अर्थ राष्ट्र को गति की दिशा में अग्रसर करने वाला नहीं, अपने दल को सत्ता की ओर अग्रसर करने वाला रह गया है। यही कारण है कि आज राष्ट्र गौण है, दल प्रमुख है। सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख है। चरित्र गौण है, कुर्सी प्रमुख है।

एक राजनेता में राष्ट्रीय चरित्र, न्याय-सिद्धांत और नेतृत्व क्षमता के गुणों की आवश्यकता नहीं, किंतु आज कुशल राजनेता वही है, जो अपने दल के लिए राष्ट्र के साथ भी विश्वासघात कर सकता हो, अपनी कुर्सी के लिए अपने दल के साथ भी विश्वासघात करने का जिसमें साहस या दुस्साहस हो। बहुत बार मन में प्रश्न उभरता है, क्या राजनीति का अपना कोई चरित्र नहीं होता अथवा सत्ता प्राप्ति के लिए राष्ट्र, समाज, दल और व्यक्ति की विश्वासपूर्ण भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना ही राजनीति का चरित्र होता है? जनता की कोमल भावनाओं का शोषण करके सत्तासीन होने के बाद क्या राजनेता का व्यक्तित्व जनता और राष्ट्र से भी बड़ा हो जाता है?

यदि ऐसा नहीं है तो आज की राजनीति क्यों अपने प्रिय पुत्रों, संबंधियों और चमचों-चाटुकारों के चक्रव्यूह में फंसकर रह गई है? राष्ट्र को स्थिर नेतृत्व प्रदान करने के नाम पर क्यों सिद्धांतहीन समझौते और स्तरहीन कलाबाजियां दिखाई जा रही हैं? संप्रदायवाद, जातिवाद, भाषावाद और प्रांतवाद को भड़का करके क्यों सत्ता की गोटियां बिठाई जा रही हैं? आज की राजनीति को देखकर मन ग्लानि और वितृष्णा से भर जाता है। आखिर यह सबकुछ कब तक चलता रहेगा?

**आवश्यकता है**

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

# हिमालय की प्रदूषण-मुक्ति भी हो पहाड़ी तीर्थयात्रा का उद्देश्य




परंपरागत रूप से, महिलाएं घरेलू क्षेत्र तक अपने को सीमित रखती हैं, जिसमें पत्नी, मां और गृहिणी के रूप में उनकी भूमिकाओं पर बल दिया जाता है।परन्तु भारत में महिलाओं की भूमिका में व्यापक परिवर्तन देखा जा रहा है। हाल ही में दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए दो बड़े विरोध प्रदर्शनों,जुलाई 2026 में तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ और अक्टूबर 2026 में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ भारतीय छात्र राजनीति और सामाजिक आंदोलनों में लड़कियों और महिलाओं की भूमिका का एक नया खाका तैयार किया है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और छात्र संगठनों के नेतृत्व में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के लिए चले लगभग एक महीने के लंबे आंदोलन में लड़कियों ने वैचारिक और जमीनी दोनों स्तरों पर कमान संभाली थी। राजनीतिक विश्लेषकों ने इस आंदोलन को रेखांकित करते हुए लिखा है कि छात्राओं ने कमजोर समझे जाने वाले मुहावरों को तोड़कर खुद को आंदोलन के मोर्चे पर स्थापित किया है।मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ चल रहे हालिया प्रदर्शनों के दौरान महिलाओं की भागीदारी और उनके प्रति पुलिसिया रवैये ने व्यवस्था के एक अलग पहलू को सामने लाया है। आंदोलनकारी छात्राओं ने अपने साक्षात्कारों में यह स्पष्ट किया है कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती मात्र से राज्य का रवैया संवेदनशील नहीं हो जाता है। उनके अनुसार, राज्य व्यवस्था का चरित्र पुरुष प्रधान ही रहता है, चाहे वर्दी पुरुष ने पहनी हो या महिला ने। जंतर-मंतर के ये हालिया घटनाक्रम दर्शाते हैं कि आधुनिक भारत में लड़कियां सिर्फ शैक्षणिक या आर्थिक सुधारों तक सीमित नहीं हैं। चाहे वह शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता का मुद्दा हो या लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की शुचिता या चुनाव आयोग की जवाबदेही? का, देश की युवतियां राजनीतिक और संवैधानिक तंत्र को चुनौती देकर व्यवस्था परिवर्तन की सबसे मुखर आवाज बन चुकी हैं।

दूसरी ओर जनरेशन अल्फा की छात्राओं और छात्रों ने शिक्षा व्यवस्था की जर्जर और अपर्याप्त स्थिति के खिलाफ एक अभूतपूर्व और बड़े स्तर पर विरोध संघर्ष छेड़ा हुआ है।जेन जी के पेपर लीक आंदोलनों से प्रेरणा लेकर स्कूली बच्चे सीधे सड़कों पर उतरकर व्यवस्था से जवाबदेही मांग रहे हैं। सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली छात्राओं को बुनियादी अधिकारों से वंचित रहना पड़ रहा है, जिससे लेकर देशव्यापी आंदोलन खड़ा हुआ है। यह असंतोष केवल भारत तक सीमित नहीं है। फ्रांस में भी मैक्रों सरकार की शिक्षा नीतियों के खिलाफ जेन अल्फा के स्कूली छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में सड़कों पर उतरे हैं। वहां छात्राओं की मांग है कि कक्षाओं में भीड़ कम की जाए, जर्जर इमारतों की मरम्मत हो और लंबे स्कूल समय (स्कूल ऑवर) की समीक्षा की जाए क्योंकि पढ़ाई का दबाव उनकी मानसिक स्थिति को प्रभावित कर रहा है। इतिहास और वर्तमान दोनों इस बात का गवाह है कि सड़कों पर व्यवस्था परिवर्तन की अलख जगाने वाली युवा लड़कियां आगे चलकर देश और दुनिया की नीतियां तय करने वाली शीर्ष राजनीतिक नेता बनी हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसके कुछ सबसे सशक्त उदाहरण हैं। न्यूजीलैंड की पूर्व प्रधानमंत्री जैसिंडा अर्डर्न ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत युवावस्था में एक सामाजिक कार्यकर्ता और लेबर पार्टी के युवा विंग के सदस्य के रूप में की थी। उन्होंने मानवाधिकारों, बाल गरीबी और पर्यावरण के मुद्दों पर आंदोलनों में भाग लिया। युवावस्था में जमीनी मुद्दों पर सक्रियता के कारण ही वह मात्र 37 वर्ष की उम्र में दुनिया की सबसे युवा महिला राष्ट्राध्यक्षों में से एक बनीं। चिली में 2011 और 2019 के बड़े छात्र आंदोलनों का नेतृत्व युवा छात्राओं और लड़कियों ने किया था। इनमें से कैमिला वैलेजो एक प्रमुख छात्र आंदोलनकारी थी, जो बाद में चिली की संसद में पहुंचीं और वर्तमान में सरकार में मंत्री हैं। इसी तरह, इरीना कारामानोस ने एक नारीवादी कार्यकर्ता के रूप में शुरूआत की और चिली की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।फिनलैंड की पूर्व प्रधानमंत्री साना मारिन एक बेहद सामान्य पृष्ठभूमि से आती थीं और उन्होंने युवावस्था में ही सामाजिक-राजनीतिक सक्रियता शुरू कर दी थी। वह सोशल डेमोक्रेटिक यूथ की उपाध्यक्ष बनीं और नागरिक अधिकारों के आंदोलनों से जुड़कर आगे बढ़ीं। वह 34 वर्ष की आयु में फिनलैंड की प्रधानमंत्री बनीं और उनके नेतृत्व वाले गठबंधन दल की सभी पांचों नेता महिलाएं थीं, जिनमें से चार की उम्र 35 वर्ष से कम थी।लड़कियों की शिक्षा के लिए तालिबान जैसे क्रूर संगठन के खिलाफ आंदोलन की शुरूआत करने वाली युसुफजई मलाला आज वैश्विक स्तर पर नीति-निर्धारकों को प्रभावित करती है। जलवायु परिवर्तन के खिलाफ फ्राइडेज फॉर फ्यूचर आंदोलन शुरू करने वाली ग्रेटा थनबर्ग ने दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्षों और संयुक्त राष्ट्र को सीधे तौर पर कटघरे में खड़ा किया है। उन्होंने यह साबित किया कि एक स्कूली लड़की भी वैश्विक राजनीतिक एजेंडे को बदल सकती है।अंतर्राष्ट्रीय अध्ययनों से पता चलता है कि आंदोलनकारी पृष्ठभूमि से आने वाली महिला नेता स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण और बाल कल्याण जैसे संवेदनशील मुद्दों को राजनीतिक एजेंडे में सबसे ऊपर रखती हैं। पारंपरिक पुरुष-प्रधान राजनीति के मुकाबले, ये युवा महिला नेता व्यवस्था परिवर्तन का एक नया और अधिक समावेशी खाका पेश करती हैं।जंतर-मंतर या वैश्विक मंचों पर प्रदर्शन करने वाली लड़कियों में सत्ता से सीधे सवाल पूछने का साहस होता है, जो भविष्य के एक अच्छे राजनेता का प्राथमिक गुण है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर आज जो लड़कियां पेपर लीक या चुनाव आयोग के फैसलों के खिलाफ आंदोलन का चेहरा बनी हुई हैं, वे केवल आज का प्रदर्शन नहीं कर रहीं, बल्कि वे अपनी राजनीतिक क्षमता को निखार रही हैं। अंतर्राष्ट्रीय उदाहरण बताते हैं कि कल की यही आंदोलनकारी लड़कियां भविष्य में देश और दुनिया की मुख्यधारा की राजनीति की दिशा और दशा बदलने वाली नेता बनेंगी।यह केवल महिला सशक्तीकरण का प्रश्न नहीं है, बल्कि देश की मानवीय क्षमता का बेहतर उपयोग करने का प्रश्न भी है। जिस देश की आधी आबादी लंबे समय तक घरेलू भूमिकाओं तक सीमित रही हो, वहां यदि लड़कियां शिक्षा, लोकतंत्र, पर्यावरण, सामाजिक न्याय और संवैधानिक अधिकारों के सवालों पर नेतृत्व की भूमिका में आगे आ रही हैं, तो इसे केवल आंदोलनों तक सीमित रखना देश के लिए एक बड़ा अवसर गंवाना होगा। इन युवा महिलाओं की सबसे बड़ी ताकत यह है कि उनका राजनीतिक अनुभव केवल चुनाव लड़ने तक सीमित नहीं है। वे विश्वविद्यालयों, सड़कों, ग्राम सभाओं, सामाजिक आंदोलनों और डिजिटल मंचों पर सवाल उठाते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया को करीब से समझ रही हैं। वे प्रशासनिक निर्णयों के प्रभाव को सीधे महसूस करती हैं और सत्ता से जवाब मांगने का साहस भी रखती हैं। आज के आंदोलनों में नेतृत्व कर रही ये लड़कियां भविष्य के राजनीतिक और सामाजिक नेतृत्व के लिए एक महत्वपूर्ण आधार तैयार कर रही हैं। आंदोलनों को केवल महिलाओं के मुद्दों तक सीमित नहीं समझना चाहिए। जब कोई छात्रा पेपर लीक, बेरोजगारी, चुनावी पारदर्शिता, पर्यावरण या संविधान की रक्षा के सवाल को लेकर सड़क पर उतरती है, तो वह केवल अपने अधिकार के लिए नहीं लड़ रही होती, बल्कि लोकतंत्र के व्यापक हित में नागरिक की भूमिका निभा रही होती है। भारतीय लड़कियों का आंदोलनों में बढ़ता नेतृत्व इस बात का संकेत है कि देश की नई पीढ़ी केवल व्यवस्था के निर्णयों को स्वीकार करने के बजाय उनसे सवाल पूछने, जवाबदेही तय करने और बदलाव की दिशा निर्धारित करने के लिए तैयार है। जंतर-मंतर से लेकर वैश्विक मंचों तक, छात्राओं और युवा महिलाओं की सक्रियता लोकतंत्र को अधिक जवाबदेह, संवेदनशील और समावेशी बनाने की संभावना प्रस्तुत करती है। इसलिए उनके संघर्षों को केवल तात्कालिक विरोध या छात्र राजनीति की गतिविधि मानकर नजर अंदाज नहीं किया जाना चाहिए। आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा संस्थानों, राजनीतिक दलों और लोकतांत्रिक संस्थाओं में उन्हें समान अवसर, स्वतंत्र अभिव्यक्ति और नेतृत्व के लिए अनुकूल वातावरण मिले। आज व्यवस्था से सवाल पूछने वाली लड़कियों को यदि निर्णय लेने की प्रक्रिया में उचित स्थान दिया जाता है, तो वे केवल अपने भविष्य का निर्माण नहीं करेंगी, बल्कि देश की राजनीति और समाज को भी अधिक न्यायपूर्ण, समानतापूर्ण और लोकतांत्रिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। यही परिवर्तन की उस नई आवाज का वास्तविक अर्थ है, जो आज की युवा लड़कियों के संघर्षों से उभर रही है।इसलिए जंतर-मंतर पर खड़ी आज की लड़की को केवल प्रदर्शनकारी के रूप में देखना उसकी क्षमता को कम करके आंकना होगा। वह संभावित सांसद, विधायक, मंत्री, प्रशासक, न्यायविद, सामाजिक कार्यकर्ता या नीति-निमार्ता भी हो सकती है। सवाल यह है कि क्या भारतीय लोकतंत्र उसे आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर देगा?

# चोरी के वांछित अभियुक्त को पुलिस ने दबोचा, जेवरात व अवैध तमंचा बरामद




**नौगावां सादात/अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना नौगावां सादात पुलिस ने 24 अगस्त 2026 को घर में घुसकर चोरी की घटना के वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के निकट पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी नौगावां सर्किल अवधमान सिंह भदौरिया के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक रजनी द्विवेदी के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया था। 24 अगस्त को वादी वसरुद्दीन पुत्र सबरुद्दीन निवासी ग्राम खेतापुर जहाँगीरपुर, थाना नौगावां सादात के घर में घुसकर चोरी की घटना के संबंध में मु0अ0सं0-377/2026 धारा 305(ए) बीएनएस के तहत 1. रिहान पुत्र उस्मान, 2. बिलाल पुत्र सबाबुल, 3. कादिर पुत्र शाहिद, 4. अनवरी पत्नी उस्मान निवासी ग्राम पंजूसराय, थाना नौगावां सादात के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया था। पुलिस टीम द्वारा मामले की गहनता और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर तफ्तीश शुरू की गई। मुखबिर की सटीक सूचना पर सोमवार को समय करीब 06.42 बजे धनौरा बाईपास से ग्राम देहरा जाने वाले रास्ते पर आम के बाग के पास से अभियुक्त कादिर पुत्र शाहिद हुसैन निवासी ग्राम पंजूसराय, थाना नौगावां सादात, जनपद अमरोहा, उम्र करीब 26 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से 2 कड़े, एक चैन सहित पेंडल व एक नथनी बरामद की गई। इसके अलावा एक अदद नाजायज तमंचा 315 बोर व एक अदद जिंदा कारतूस 315 बोर भी बरामद हुआ। इस संबंध में मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस व 3/25 आर्म्स एक्ट की वृद्धि की गई है। अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है।

# मिशन शक्ति फेज-6.0 का भव्य शुभारंभ, 1000 से अधिक महिलाओं एवं बालिकाओं ने निकाला जागरूकता पैदल मार्च

*महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन का संदेश लेकर नवीन पुलिस लाइन से शहीद स्मारक तक निकला भव्य मार्च*







**अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद अमरोहा में मिशन शक्ति फेज-6.0 का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर नवीन पुलिस लाइन अमरोहा से कलेक्ट्रेट स्थित शहीद स्मारक तक जागरूकता पैदल मार्च निकाला गया। सांसद कंवर सिंह तंवर ने पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव, जिलाधिकारी नितिन गौड़ एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर मार्च को रवाना किया। इस भव्य आयोजन में 000 से अधिक महिलाओं एवं बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इनमें महिला पुलिसकर्मी, चिकित्सा विभाग के अधिकारी एवं एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां, आशा वर्कर्स, एनसीसी बालिका कैडेट्स, स्कूल एवं गुरुकुल की छात्राएं, पीआरडी तथा महिला होमगार्ड कर्मी शामिल रहीं। पैदल मार्च का नेतृत्व क्षेत्राधिकारी धनौरा अंजलि कटारिया ने किया। मिशन शक्ति फेज-6.0 का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, अधिकारों, सम्मान और स्वावलंबन के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें सुरक्षित एवं सशक्त वातावरण उपलब्ध कराने के लिए जनसहभागिता को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (एडीएम), मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ), मिशन शक्ति के नोडल अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक श्री अखिलेश भदौरिया सहित विभिन्न प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित रहे।




# डिडौली पुलिस ने अवैध तमंचों के साथ 4 को दबोचा,कब्जे से 4 तमंचे व 7 कारतूस बरामद



**डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद के डिडौली थाना पुलिस ने अवैध हथियारों के साथ चार लोगों को गिरफ्तार किया है। जिनके कब्जे से पुलिस में चार अवैध तमंचे एवं सात कारतूस बरामद किए हैं जिनमें तीन 12 बोर व चार 315 बोर के कारतूस शामिल हैं। इसके अलावा एक कारतूस की 12 बोर के तमंचे में फंसा हुआ भी बरामद किया है। बता दें कि पुलिस द्वारा इस कार्यवाही को अमरोहा पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देश अनुसार अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध जनपद भर में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत किया गया है।पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देश पर डिडौली थाना पुलिस संदिग्धों की जांच कर रही थी। मुखबिर की सूचना पर इन चारों युवकों को पकड़ा गया।गिरफ्तार आरोपियों में डिडौली के जिवाई निवासी अभिषेक, नन्हेड़ा राजपूत निवासी मयंक और नीरज, तथा संभल के अहरौला माफी निवासी शिव शामिल हैं। पूछताछ में इन्होंने बताया कि वे संभल से तमंचे लाकर परिचितों को बेचते थे।पुलिस के अनुसार, ये चारों इस बार भी हथियार बेचकर पैसे कमाने के इरादे से मिले थे। बरामदगी के बाद डिडौली थाने में आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कर सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश किया जा रहा है।

# भाकियू (शंकर) गुट ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन,14 अक्टूबर तक मांगे पूरी ना होने पर 15 को होगा धरना-प्रदर्शन





**धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद के मंडी धनौरा तहसील परिसर में सोमवार को भारतीय किसान यूनियन शंकर के गुट ने धनौरा एसडीएम शैलेश कुमार दुबे को किसान समस्याओं एवं क्षेत्र की आम जनता से जुड़ी समस्याओं को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। इस दौरान संगठन के किसानों ने ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि यदि 14 अक्टूबर तक हमारी समस्याओं को समाधान नहीं हुआ तो 15 अक्टूबर 2026 को संगठन विद्युत वितरण खंड कार्यालय पर धरना प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होगा। बता दें कि सोमवार को भारतीय किसान यूनियन (शंकर) के कार्यकताओं ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा और समस्याओं का समाधान न होने पर 15 अक्टूबर को अधिशासी अभियंता कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन की चेतावनी दी।जिलाध्यक्ष चौ० नेमपाल सिंह के नेतृत्व में सौंपे ज्ञापन में कई मांगें शामिल रहीं जिनमें तिगरी गंगा मेले से पहले फाजलपुर रेलवे क्रॉसिंग का चौड़ीकरण, गन्ने का मूल्य 600 प्रति क्विंटल घोषित करना और चीनी मिलों को 24-25 अक्टूबर से शुरू करने की तैयारी करना प्रमुख है।बिजली से जुड़ी मांगों में स्मार्ट मीटर के बकाया बिलों पर कटौती बंद करना, OTS का लाभ, 200 यूनिट मुफ्त बिजली और अकारण कटौती रोकना शामिल है। आवारा पशुओं से सुरक्षा, स्वास्थ्य केंद्रों पर डॉक्टर-दवा और राशन कार्ड व पेंशन योजनाओं के पारदर्शी सत्यापन की भी मांग की गई। संगठन ने कहा कि समाधान न होने तक आंदोलन जारी रहेगा।इस दौरान वहां जिला अध्यक्ष नेपाल सिंह, चौधरी धर्मवीर सिंह, साजिंदर सिंह, जितेंद्र सैनी, ललित कुमार, महेंद्र यादव, प्रियंका भटनागर, गीता देवी, रश्मि यादव व भावना सहित दर्जनों किसान मौजूद रहे।

# बस्ती में 308 पहियों वाले ट्रक ने रोकी बिजली, हाईवे पर लगा भीषण जाम; मशक्कत में पूरा दिन जुटी रही पुलिस



**बस्ती।** बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड की लखीमपुर खीरी में लग रही नई इकाई के लिए विशाल संयंत्र (200 टन का वेसल) लेकर जा रहे 308 पहियों वाले ट्रक को सुरक्षित रास्ता देने के लिए सड़क पार किए तारों को खोलना पड़ा। इससे सात विद्युत उपकेंद्र प्रभावित रहे। इसमें छह उपकेंद्र लगभग पूरी तरह बंद रखने पड़े। पॉलीटेक्निक चौराहे से गौरा मार्ग की तरफ जाने के दौरान दोनों तरफ राजमार्ग पर लंबा जाम लग गया। दो बजे निकले इस ट्रक को मनौरी चौराहे तक पहुंचते-पहुंचे शाम के पांच बज गए। इस कारण गाउखोर उपकेंद्र पूरी तरह बंद रखा गया। एहतियात के तौर पर बंद रखा गया फीडर विद्युत वितरण खंड ग्रामीण के अधिशासी अभियंता सुधांशु श्रीवास्तव ने एहतियातन 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र मुंडेरवा से निर्गत 11केवी मंगेरवा एवं ऊंचगांव फीडर के साथ ही व्योतहरा, गाऊखोर, सल्टौआ तथा बाघनगर उपकेंद्र से निर्गत सभी फीडरों को बंद रखने का निर्देश दिए थे, जबकि सदर खंड का पॉलिटेक्निक उपकेंद्र पूरी तरह बंद रखने के साथ ही पुरानी बस्ती उपकेंद्र के हथिया गढ फीडर को बंद रखने के निर्देश थे। सोमवार को मुंडेरवा से आगे बढ़ते हुए ट्रक मनौरी तक ही पहुंच सका इस कारण गाउखोर उपकेंद्र पूरी तरह बंद रहा। सल्टौआ उपकेंद्र चालू रखा गया। अधिशासी अभियंता सदर खंड शुभम पांडेय ने बताया कि सुबह छह बजे से 10 बजे तक ही विद्युत आपूर्ति बंद रखने की सूचना उपभोक्ताओं को दी गई थी। इतने समय में इस ट्रक को निकलना था। ट्रक के पालीटेक्निक चौराहे तक पहुंचते दोपहर साढ़े बारह बज गए। पूरे दिन बंद रखनी पड़ी आपूर्ति उपखंड अधिकारी प्रभाकर कुमार ने बताया कि 11 केवी लाइनों को खुलवाने के साथ ही कई स्थानों पर क्रॉस किए तारों को काटना पड़ा। पालीटेक्निक चौराहे पर वाहन के मुड़ने के चलते यहां तारों को हटाना पड़ा, जिस कारण पूरे दिन विद्युत आपूर्ति बंद रखनी पड़ी। उपखंड अधिकारी सल्टौआ सुनील कुमार यादव ने बताया कि शाम पांच बजे तक मनौरी तक ट्रक पहुंचा है। इस कारण गाऊखोर उपकेंद्र पूरी तरह बंद रखना पड़ा।
अधिशासी अभियंता रुधौली अरुण कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार को ट्रक को निकालने के लिए भानपुर ग्रामीण व तहसील तथा असनहरा उपकेंद्र की आपूर्ति सुबह सात बजे से बंद रखी जाएगी।

# 'सपा और शिक्षा नदी के दो छोर, कभी नहीं मिल सकते', गोरखपुर में सीएम योगी ने विपक्ष पर बोला हमला



**गोरखपुर।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सपा और शिक्षा नदी के दो छोर हैं, जो कभी मिल नहीं सकते। जो शिक्षा का धुर विरोधी होगा, वह शिक्षक का हितैषी कभी नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में शिक्षा व्यवस्था चौपट थी, नकल प्रदेश की पहचान बन गई थी और शिक्षकों को अपनी सुरक्षा के लिए बंदूक तक लेकर विद्यालय जाना पड़ता था। महंत दिग्विजयनाथ पार्क में गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक निर्वाचन खंड से भाजपा प्रत्याशी ध्रुव कुमार त्रिपाठी के समर्थन में आयोजित शिक्षक मतदाता संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि एक तरफ भाजपा है, जिसके एजेंडे में शिक्षा, शिक्षक, शिक्षण संस्थान और विद्यार्थी हैं, वहीं दूसरी तरफ सपा है। सपा में अराजकता फैलाने वालों को मिलता है संरक्षण- सीएम योगी उन्होंने कहा कि सपा सरकार में शिक्षा व्यवस्था को चौपट करने वाले और अराजकता फैलाने वाले लोगों को संरक्षण मिलता था। दंगाइयों को मुख्यमंत्री आवास पर बुलाकर सम्मानित किया जाता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में पहचान का संकट था। विद्यालयों के भवन जर्जर थे, युवाओं के सामने भविष्य का संकट था और नकल प्रदेश की पहचान बन गई थी। आज स्थिति बदल चुकी है। शिक्षण संस्थानों को बेहतर भवन, स्मार्ट कक्षाएं, कंप्यूटर प्रयोगशालाएं और डिजिटल पुस्तकालय जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में काम हुआ है। उनकी सरकार ने शिक्षकों और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े कार्मिकों को पांच लाख रुपये तक कैशलेस इलाज की सुविधा दी है। बिना वेतन कटौती सुरक्षा बीमा का लाभ भी दिया गया है। दुर्घटना की स्थिति में सरकारी और सहायता प्राप्त विद्यालयों के शिक्षक के परिवार को 80 लाख से 1.20 करोड़ रुपये तक की सहायता की व्यवस्था की गई है। शिक्षामित्रों का मानदेय 10 हजार से बढ़ाकर 18 हजार और अनुदेशकों का मानदेय नौ हजार से बढ़ाकर 17 हजार रुपये किया गया। मुलायम सरकार की नई पेंशन योजना पर भी हमला योगी ने कहा कि 2005 में मुलायम सिंह यादव की सरकार ने नई पेंशन योजना लागू की थी, लेकिन कर्मचारियों के खाते तक नहीं खोले गए।
2017 में भाजपा सरकार बनने के बाद कमेटी गठित कर 2019 में 10 हजार करोड़ रुपये उपलब्ध कराए गए और 14 लाख कर्मचारियों के खाते खोलकर धन भेजा गया। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज का जागरूक प्रहरी और राष्ट्र की समृद्धि का आधार है। शिक्षक एमएलसी चुनाव में ध्रुव कुमार त्रिपाठी को भारी मतों से जिताने की अपील करते हुए कहा कि 23 अक्टूबर को मतदान के दिन शिक्षकों को अवकाश दिया गया है।

# अमरोहा में बाढ़ प्रभावित 2,084 कृषकों को 1.67 करोड़ से अधिक की राहत सहायता राशि की गई वितरित

*धनौरा में विधायक राजीव तरारा तथा हसनपुर में विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी की अध्यक्षता में आयोजित हुए राहत सहायता वितरण कार्यक्रम*





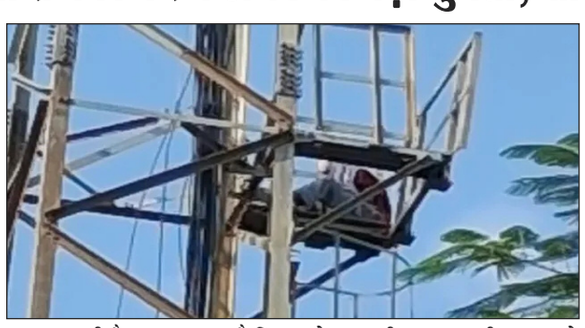

**अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद में बाढ़ से प्रभावित कृषकों को फसल क्षति के सापेक्ष कृषि निवेश अनुदान/राहत सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सोमवार को तहसील धनौरा एवं तहसील हसनपुर में राहत सहायता वितरण कार्यक्रम आयोजित किए गए। तहसील धनौरा में विधायक राजीव तरारा की अध्यक्षता में तथा तहसील हसनपुर में विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित हुआ। शासन के निर्देशों के क्रम में आयोजित इन कार्यक्रमों के माध्यम से जनपद की दोनों तहसीलों के कुल 2,084 पात्र कृषकों को प्रथम किस्त के रूप में ड्ड1,67,09,321 की राहत सहायता राशि वितरित की गई। इसमें तहसील धनौरा के 1,077 पात्र कृषकों को ड्ड1,04,00,000 तथा तहसील हसनपुर के 1,007 पात्र कृषकों को 63,09,321 की राहत सहायता राशि प्रदान की गई। तहसीलों द्वारा किए गए सर्वेक्षण के आधार पर जनपद में बाढ़ से प्रभावित लगभग 21,000 कृषकों के सापेक्ष ड्ड9 करोड़ 49 लाख की अनुमानित धनराशि की मांग शासन को भेजी गई थी, जो रविवार को प्राप्त हो गई। इसके क्रम में प्रथम किस्त की राहत सहायता राशि संबंधित पात्र लाभार्थियों के बैंक खातों में ट्रेजरी के माध्यम से ऑनलाइन प्रेषित किए जाने की व्यवस्था की गई है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, अमरोहा द्वारा बताया गया कि प्राकृतिक आपदा से प्रभावित पात्र कृषकों को नियमानुसार राहत सहायता उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। राहत सहायता वितरण की प्रक्रिया पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराई जा रही है, ताकि प्रभावित कृषकों को समय से सहायता उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर अन्य जनप्रतिनिधि, पार्टी पदिधिकारी, संबंधित अधिकारी एवं किसान बंधु उपस्थित रहे।

# मंडी धनौरा में अमीनों ने अपने स्थायीकरण और सुविधाओं को लेकर क्षेत्रीय विधायक राजीव तरारा को सौंपा ज्ञापन



**धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद के मंडी धनौरा में सोमवार को उत्तर प्रदेश राजस्व सामयिक संग्रह अमीन कर्मचारी अनुसेवक वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा अपने स्थायीकरण और सुविधाओं को लेकर क्षेत्रीय विधायक राजीव तरारा को मंडी धनौरा एसडीएम शैलेश कुमार दुबे की मौजूदगी में मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी के नाम एक ज्ञापन सौंपा। बता दें कि संगठन द्वारा सौंपे ज्ञापन बताया गया कि राजस्व विभाग में सामयिक अमीन और अनुसेवक 20 से 25 साल से वसूली का काम कर रहे हैं। इतने लंबे समय से सेवा देने के बावजूद उन्हें अभी तक स्थायी नहीं किया गया है, जिससे उन्हें जीवन-यापन में परेशानी हो रही है।संघ ने मांग की है कि सभी 2,200 सामयिक अमीनों और सेवकों को तुरंत स्थायी किया जाए। उन्हें आयुष्मान कार्ड और ग्रुप इंश्योरेंस का लाभ मिले। सेवाकाल में मौत होने पर मृतक के परिवार के एक सदस्य को नौकरी दी जाए। ज्ञापन देने वालों में संजीव शर्मा, संजीव कुमार, मलखान सिंह, नरेंद्र पाल सिंह, कल्लू सिंह, राजवीर सिंह, रामपाल सिंह, चरण सिंह, अफजाल, अजय कुमार और भरत सिंह शामिल थे।

# सोनभद्र में प्रेमी से शादी की जिद में टावर पर चढ़ी युवती, साढ़े तीन घंटे बाद उतरी



**अनपरा:** अनपरा तापीय परियोजना के आवासीय परिसर स्थित शापिंग सेंटर के समीप सोमवार की अपराह्न प्रेमी से शादी करने की जिद में एक युवती टावर पर चढ़ गई। करीब साढ़े तीन घंटे तक चले प्रयास के बाद पुलिस ने उसे सुरक्षित नीचे उतार लिया। इस दौरान मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुटी रही। जानकारी के अनुसार बीना बस स्टैंड निवासी 19 वर्षीय युवती का रेणुसागर निवासी दूसरे समुदाय के एक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा है। युवती उससे शादी करना चाहती है। बताया जाता है कि पिछले एक सप्ताह से वह शादी के लिए लगातार प्रयास कर रही थी। सोमवार की अपराह्न करीब 12 बजे युवती टावर पर चढ़ गई। इसकी सूचना मिलते ही अनपरा थाना प्रभारी राजेश चौबे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने फोन पर युवती से बात कर उसे नीचे उतरने के लिए समझाने का प्रयास किया। उसकी मां और बहन के साथ गांव के प्रधान कमलेश सिंह ऊर्फ पप्पू सिंह को भी मौके पर बुलाया गया। नीचे से आवाज सुनाई नहीं देने पर लाउडस्पीकर के माध्यम से पुलिस और परिजन लगातार उससे नीचे उतरने की अपील करते रहे। लेकिन युवती प्रेमी से शादी करने की जिद पर अड़ी रही।

4 सब का सपना
हिंदी दैनिक
संभल
अमरोहा
मंगलवार 13 अक्टूबर 2026
www.sabkasapna.com

# डॉ. लोहिया के विचारों पर चलने का लिया संकल्प, प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल का जन्मदिन भी मनाया





**संभल(सब का सपना):-** जनपद के चंदौसी चौराहा स्थित समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर सोमवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार समाजवाद के महान चिंतक डॉ. राम मनोहर लोहिया की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर पार्टी की जिला मासिक बैठक भी आयोजित हुई। जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी सहित पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने डॉ. लोहिया के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए तथा दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान लोहिया अमर रहें के नारे भी लगाए गए। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा कि डॉ. राम मनोहर लोहिया ने अपना पूरा जीवन सामाजिक असमानता को समाप्त करने और वंचित वर्गों को अधिकार दिलाने के लिए समर्पित किया। उन्होंने पिछड़ा पावे सौ में साठ का नारा देकर पिछड़े वर्गों की राजनीतिक भागीदारी का संदेश दिया। समाजवादी पार्टी उनके विचारों और सिद्धांतों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कार्यकताओं से अपने-अपने बूथ पर जाकर नए मतदाता बनवाने और विधानसभा क्षेत्रों में सक्रिय रहकर पार्टी की नीतियों का प्रचार-प्रसार करने का आह्वान किया। बैठक में जिले में हुई भारी बारिश से धान की फसल को हुए नुकसान का मुद्दा भी उठाया गया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि यदि सरकार किसानों को नुकसान का मुआवजा नहीं देती है तो पार्टी आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। संभल विधायक प्रतिनिधि सोहेल इकबाल ने कहा कि डॉ. लोहिया ने नर-नारी समानता, जाति प्रथा का विनाश, रंगभेद का विरोध और सामाजिक न्याय सहित सात क्रांतियों का विचार दिया था। उनके सिद्धांत आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि नेताजी मुलायम सिंह यादव ने लोहिया के विचारों को आगे बढ़ाया। जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने पदाधिकारियों और कार्यकताओं से समय पर बैठकों में पहुंचने तथा अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक यानी पीडीए वर्ग को जोड़कर समाजवादी विचारधारा को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कार्यकताओं से पार्टी की नीतियों और घोषित योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक के दौरान जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया।

अंत में सभी कार्यकताओं ने डॉ. लोहिया के बताए समतामूलक समाज के निर्माण के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के समापन पर जिलाध्यक्ष ने सभी का आभार व्यक्त किया और प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष उमेश यादव, मुंशी वाहिद, सईद इजरायली, शोभित कुमार, काका कमल शर्मा, आसिफ इकबाल, बलवंत सिंह, उमेश दिवाकर, ममता मधुकर, फकरे आलम, शिवम यादव, सोनू पाल, कामरेड रेवाराम, मलखान सिंह एडवोकेट, पप्पू यादव, विजय यादव, फैयाज प्रधान, मौ. उमर, रईस अहमद, बाबू खान, अमर पाल यादव, चरक सिंह जाटव, राहुल यादव, डॉ. तालिब, दीपक राज, विवेक आजाद, फराज अली, हाजी तसद्दुक, रियासत हुसैन, नजाकत हुसैन, साबिर खान, अखिल अंसारी, फहद अंसारी, शान अंसारी, ठाकुर विजेंद्र सिंह, मुकेश यादव, बीरन यादव, मनोज यादव, सभासद अन्ना, हाफिज अंजार, आर्य प्रधान, रिजवान प्रधान, अवनीश सागर, आसिफ सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# आपदा से प्रभावित किसानों को 60.11 लाख रुपये से अधिक की राहत सहायता राशि वितरित







**बहजोई/संभल (सब का सपना):-** प्राकृतिक आपदाओं के कारण फसल नुकसान झेलने वाले किसानों को आर्थिक संबल प्रदान करने के उद्देश्य से एक विशेष राहत सहायता राशि वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देशन एवं अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सत्यप्रिय सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधायक गुन्नौर अजीत कुमार राजू यादव तथा विशिष्ट अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष हरेन्द्र सिंह रिंकू ने आपदा प्रभावित किसानों को राहत सहायता राशि के प्रतीकात्मक चेक सौंपे। जिले में अर्नब चक्रवात और भारी बारिश के कारण फसलों को पहुंचे नुकसान की भरपाई के लिए कुल 28,406 प्रभावित किसानों का विवरण राहत पोर्टल पर दर्ज किया गया है। इनमें से 1,135 किसानों को 59,13,661 रुपये की कृषि निवेश अनुदान/राहत राशि दी जा चुकी है। इसी क्रम में बाढ़ की चपेट में आए 496 पंजीकृत किसानों में से 23 किसानों को 98,165 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। इस तरह दोनों आपदा श्रेणियों को मिलाकर अब तक जनपद के प्रभावित किसानों को कुल 60,11,826 रुपये की राहत राशि वितरित की जा चुकी है। आयोजन के दौरान उपस्थित किसानों को प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम से जोड़ने के लिए प्रातः 10:30 बजे से 11:30 बजे तक गोरखपुर में आयोजित मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी दिखाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक आपदा से संकट झेल रहे कृषकों को त्वरित मदद पहुंचाना है ताकि वे बिना किसी वित्तीय संकट के आगामी फसलों की बुआई और कृषि कार्यों को सुचारु रूप से आगे बढ़ा सकें। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी चन्दौसी आशुतोष तिवारी, उप जिलाधिकारी गुन्नौर अवधेश कुमार, उप जिलाधिकारी सम्भल विकास चन्द्र, समस्त नायब तहसीलदार एवं जिला आपदा विशेषज्ञ डॉ. अच्युत कुमार यादव उपस्थित रहे।

# फर्जी दस्तावेजों से बीमा क्लेम हासिल करने का मामला, तीन आरोपी गिरफ्तार

***मृत्यु से संबंधित कूटरचित दस्तावेज तैयार कर बीमा कंपनियों से 30 लाख रुपये की धोखाधड़ी का आरोप***



**रजपुरा/संभल(सब का सपना):-** जनपद में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बीमा क्लेम हासिल कर धोखाधड़ी करने के मामले में थाना रजपुरा पुलिस ने तीन वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर मृतक की मृत्यु से संबंधित फर्जी पोस्टमार्टम रिपोर्ट, मृत्यु प्रमाण पत्र और अन्य कूटरचित दस्तावेज तैयार कराकर बीमा कंपनियों से लाखों रुपये का क्लेम प्राप्त करने का आरोप है। पुलिस ने गिरफ्तार तीनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, रविवार को थाना रजपुरा में पीड़ित दिनेश गुप्ता पुत्र स्वर्गीय विनोद कुमार निवासी लॉजिस्टिक्स इन्फोटेक पार्क, सेक्टर-59, नोएडा, उत्तर प्रदेश की तहरीर के आधार पर अभियोग पंजीकृत किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया कि अभियुक्तों ने अपने पुत्र की मृत्यु से संबंधित फर्जी दस्तावेज तैयार कराकर निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी से 50 लाख रुपये का फर्जी दुर्घटना बीमा क्लेम प्राप्त करने का प्रयास किया। मामले में सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। इसी क्रम में सोमवार को थाना रजपुरा पुलिस टीम ने मुकदमे में वांछित तीन आरोपियों नेमपाल सिंह पुत्र राजपाल सिंह (48 वर्ष), मुस्तेजाव हुसैन पुत्र जवारुल हुसैन (47 वर्ष) और मोहम्मद जावेद पुत्र अमजद हुसैन (31 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने मृतक के परिजनों के साथ मिलकर कथित रूप से मृतक की फर्जी पोस्टमार्टम रिपोर्ट, मृत्यु प्रमाण पत्र और अन्य कूटरचित दस्तावेज तैयार कराए। इन दस्तावेजों के आधार पर बीमा कराकर प्रीमियम की केवल एक किश्त जमा की गई। इसके बाद कथित तौर पर फर्जी दस्तावेजों के सहारे संबंधित बीमा कंपनियों में क्लेम प्रस्तुत किए गए। जांच के दौरान सामने आए आरोपों के अनुसार, आईसीआई लोम्बार्ड बीमा कंपनी से 15 लाख रुपये और यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी से 15 लाख रुपये की क्लेम राशि प्राप्त की गई। इस तरह दोनों कंपनियों से कुल 30 लाख रुपये हासिल कर धोखाधड़ी किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस मामले से जुड़े दस्तावेजों और अन्य तथ्यों की जांच कर रही है।

# मिशन शक्ति फेज-6 नारी सुरक्षा और सम्मान को लेकर निकली जागरूकता रैली

***डीएम-एसपी ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना, 150 से अधिक छात्राओं ने लिया भाग***





**बहजोई/संभल(सब का सपना):-** शारदीय नवरात्रि के पर्व पर सोमवार को मिशन शक्ति फेज-6 के विशेष अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, संरक्षा और स्वावलंबन के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जागरूकता रैली एवं फुट मार्च का आयोजन किया गया। थाना बहजोई से जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल और पुलिस अधीक्षक संभल विकास चन्द्र त्रिपाठी ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली में महिला पुलिसकर्मियों, छात्राओं, शिक्षकों और जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। रैली थाना बहजोई से प्रारंभ होकर कस्बे के मुख्य बाजार से गुजरी और पुलिस लाइन परिसर में पहुंचकर संपन्न हुई। इस दौरान प्रतिभागियों ने महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, अधिकारों और स्वावलंबन के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। रैली के माध्यम से लोगों को महिलाओं की सुरक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने और महिला उत्पीड़न जैसी घटनाओं के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी मनोज कुमार रावत, क्षेत्राधिकारी चन्दौसी विवेक जावला और क्षेत्राधिकारी यातायात अजीत कुमार सिंह के नेतृत्व में महिला पुलिस बल ने सक्रिय भागीदारी की। वहीं, पूर्व मंत्री अजीत कुमार उर्फ राजू यादव, वर्तमान जिलाध्यक्ष हरेन्द्र चौधरी उर्फ रिंकू, जिला पंचायत अध्यक्ष अनामिका यादव और बेसिक शिक्षा अधिकारी संभल अल्का शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे। जागरूकता अभियान में पुलिस परामर्श केंद्र के काउंसलरों के साथ ही हीरा देवी तोता राम, कस्तूरबा गांधी और सिल्वर स्टोन सहित तीन विद्यालयों की 150 से अधिक छात्राओं एवं उनके शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। छात्राओं ने रैली के माध्यम से महिलाओं और बालिकाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर संबंधित अधिकारियों से सहायता लेने का संदेश दिया। अभियान के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। उन्हें वूमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 तथा साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 के बारे में विस्तार से बताया गया। पुलिसकर्मियों ने महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक करते हुए कहा कि छेड़छाड़, उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, साइबर अपराध या किसी अन्य आपराधिक घटना का सामना करने पर चुप न रहें, बल्कि निर्भीक होकर पुलिस से संपर्क करें और अपनी शिकायत दर्ज कराएं। साथ ही बालिकाओं को किसी भी विषम परिस्थिति में उपलब्ध सहायता सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। मिशन शक्ति फेज-6 अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना, उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना और महिला सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं के प्रति विश्वास कायम करना है।

अभियान के माध्यम से समाज में महिलाओं के प्रति सम्मानजनक व्यवहार को बढ़ावा देने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। संभल पुलिस की ओर से महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन सुनिश्चित करने के साथ ही जनपद में सुरक्षित वातावरण बनाए रखने के लिए जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को लगातार जागरूक किया जा रहा है।

# ट्रैक्टर से घर की पैरी टूटने पर खूनी संघर्ष,54 वर्षीय अधेड़ की मौत

***बुजुर्ग की मौत से परिवार में मचा कोहराम, शब पोस्टमार्टम के लिए भेजा ,पुलिस जांच में जुटी***





हरपाल सिंह फाइल फोटो

**बहजोई/संभल(सब का सपना):-** जनपद के हजरतनगर गढ़ी थाना क्षेत्र के गांव एनजरी में रविवार शाम ट्रैक्टर से घर की पैरी टूटने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। मामूली कहासुनी देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। इस दौरान 54 वर्षीय हरपाल सिंह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन उन्हें उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बहजोई भेज दिया। सोमवार शाम पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया। जानकारी के अनुसार, गांव एनजरी निवासी हरपाल सिंह पुत्र दुर्गा दास रविवार शाम करीब छह बजे अपने ट्रैक्टर में धान भर रहे थे। इसी दौरान ट्रैक्टर से उनके भतीजे राहुल और पॉपी पुत्र सुंदर सिंह के घर की पैरी टूट गई। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के बीच मारपीट होने लगी। आरोप है कि मारपीट के दौरान लात-घूंसे चले, जिससे हरपाल सिंह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। मारपीट के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। परिजनों और ग्रामीणों ने घायल हरपाल सिंह को संभाला और आनन-फानन में उपचार के लिए निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां उनकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें रेफर कर दिया। इसके बाद परिजन उन्हें संभल स्थित एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। हरपाल सिंह की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर गांव के लोग भी पीड़ित परिवार को सांत्वना देने पहुंचे। मृतक के बेटे चंदन सिंह ने बताया कि वे चार भाई-बहन हैं और उनके पिता खेती-किसानी का काम करते थे। रविवार शाम ट्रैक्टर से घर की पैरी टूटने को लेकर विवाद हुआ था। इसी दौरान मारपीट की स्थिति बन गई, जिसमें उनके पिता सड़क पर गिरकर घायल हो गए। परिजन उन्हें उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पिता की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घटना की सूचना मिलने पर हजरतनगर गढ़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लेकर मामले की जानकारी जुटाई। पुलिस ने हरपाल सिंह के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बहजोई स्थित पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। सोमवार शाम पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद परिजन शव को गांव ले गए और अंतिम संस्कार कर दिया। ट्रैक्टर से घर की पैरी टूटने जैसी मामूली बात को लेकर शुरू हुआ विवाद एक व्यक्ति की मौत तक पहुंचने से ग्रामीण भी स्तब्ध हैं। घटना के बाद गांव में तरह-तरह की चचाएं होती रहीं। हालांकि, मारपीट के दौरान वास्तव में क्या हुआ और हरपाल सिंह की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

# यातायात पुलिस का अभियान, 72 चालान कर 4.15 लाख रुपये का लगाया जुमार्ना



**संभल(सब का सपना):-** जनपद में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने, यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से सोमवार को यातायात पुलिस एवं प्रवर्तन टीमों ने सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी के निर्देशन में जनपद के विभिन्न प्रमुख चौराहों, मुख्य मार्गों और महत्वपूर्ण स्थानों पर वाहनों की जांच की गई। इस दौरान ओवरलोड वाहनों, निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां बैठाकर चलने वाले वाहनों तथा बिना वैध परमिट और आवश्यक दस्तावेजों के संचालित वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई।

अभियान के दौरान यातायात पुलिस ने ऑटो और ई-रिक्शा की भी जांच की। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के चालान किए गए, जबकि दो वाहनों को सीज किया गया। इसके साथ ही ऑटो और ई-रिक्शा में यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लगाए गए अवैध पायदानों को हटवाने की कार्रवाई भी की गई। पुलिस के अनुसार, अभियान के दौरान कुल 224 पायदान हटवाए गए, जिससे यातायात नियमों के पालन के साथ ही यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया। यातायात पुलिस की ओर से जारी विवरण के अनुसार, इंटरसेप्टर के माध्यम से कुल 72 चालान किए गए और 4,15,000 रुपये का जुमार्ना लगाया गया। वहीं, ऑटो और ई-रिक्शा के 28 चालान किए गए तथा दो वाहनों को सीज किया गया। अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने की हिदायत भी दी गई।

संभल पुलिस ने आमजन और वाहन चालकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें और निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां न बैठाएं। वाहन चलाते समय तेज गति से बचें तथा दोपहिया वाहन पर हेलमेट और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें। साथ ही वाहन के सभी आवश्यक दस्तावेज और परमिट वैध रखें।

पुलिस ने कहा कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने से वाहन चालक के साथ-साथ सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों की जान भी खतरे में पड़ सकती है। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और यातायात व्यवस्था को सुरक्षित एवं सुचारु बनाए रखने के लिए ओवरलोडिंग, बिना वैध दस्तावेजों के वाहन संचालन और अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध चेकिंग एवं प्रवर्तन की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

# मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 101 बेटियों की हुई शादियां



**फतेहपुर/जहानाबाद (सब का सपना):-** समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत सामूहिक विवाह/निकाह का भव्य आयोजन बी.एन.यू. मैरिज लॉन पूरनपुर, अमौली रोड, जहानाबाद में किया गया। विकासखंड अमौली, देवमई, खजुहा एवं नगर पंचायत जहानाबाद की 101 बेटियों की शादियां संपन्न हुईं।कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक जहानाबाद एवं पूर्व राज्यमंत्री उ.प्र. सरकार राजेन्द्र सिंह पटेल ने की। विधायक एवं नोडल अधिकारी जिला विकास अधिकारी साधना दीक्षित ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक उमेश कुमार त्रिवेदी ने किया। आचार्यों की टोली ने वैदिक रीति-रिवाज के साथ विवाह के कार्यक्रमों को संपन्न कराया। कार्यक्रम में उपस्थित समुदाय को संबोधित करते हुए विधायक जहानाबाद ने नव युगलों को माता-पिता की सेवा करने की शिक्षा के साथ वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दीं। समाज कल्याण विभाग के अनुसार पात्र जोड़ों को योजना के तहत निर्धारित सहायता राशि, उपहार सामग्री एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ईओ विवेक उत्तम जहानाबाद, विकास विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के संस्थापक जहानाबाद पंकज सिंह, एडीओ विनोद कुमार, मुन्नालाल, सचिन उत्तम, ईओ बिंदकी सी.के. पांडेय, धीरज कुमार, बलराम प्रसाद, मंडल अध्यक्ष अमौली देवेंद्र अवस्थी, मंडल अध्यक्ष देवमई आशुतोष अग्निहोत्री सहित समस्त युगलों के परिजन उपस्थित रहे।

# गड्ढों में तब्दील मंझाड़ी बाईपास सड़क, रात में सफर करना जानलेवा, 5 फीट गहरे गड्ढे दे रहे दुर्घटनाओं को दावत



**नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):-** जनपद के इस महत्वपूर्ण लिंक रोड पर सफर करना किसी चुनौती से कम नहीं है। हाईवे से मंझाड़ी होते हुए जलालाबाद हाईवे को जोड़ने वाली बाईपास सड़क पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। यह सड़क मंझाड़ी शेखुपुरा आलम से लाहक और अन्य कई गाँवों से होकर गुजरती है, लेकिन प्रशासन की अनदेखी की वजह से आज यह अपनी बदहाली पर आँसू बहा रही है। इस सड़क की हालत इतनी खस्ताहाल है कि जगह-जगह सड़क पर 3 से 5 फीट तक गहरे गड्ढे हो गए हैं, जो अब तालाब का रूप ले चुके हैं। इन गड्ढों में गंदा और कीचड़युक्त पानी भरा हुआ है, जिससे पैदल चलने वालों के साथ-साथ दोपहिया और चार पहिया वाहन चालकों को भी भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। तस्वीर में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि पूरी सड़क कीचड़ और पानी से भरी हुई है, जिससे वाहन फिसलने और पलटने का खतरा बना रहता है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को कई बार इस समस्या से अवगत कराया गया है, लेकिन अब तक न तो सड़क की मरम्मत का कोई काम शुरू हुआ है और न ही इसे दोबारा बनाने का कोई ठोस आश्वासन मिला है। गड्ढे इतने गहरे हैं
कि रात के समय तो यहाँ से गुजरना सीधे तौर पर किसी बड़े हादसे को न्योता देना है। यह सड़क कई गाँवों को मुख्य हाईवे से जोड़ती है, लेकिन इसकी हालत बहुत बुरी है। रात के अंधेरे में अक्सर लोग गड्ढे न दिखने के कारण दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। प्रशासन को जल्द से जल्द इस पर ध्यान देना चाहिए।

# मां ब्रह्मचारिणी की आराधना कर श्रद्धालुओं ने मांगी सुख-समृद्धि

***शारदीय नवरात्र के दूसरे दिन देवी मंदिर में उमड़ी भक्तों की भीड़, विधि-विधान से की पूजा-अर्चना***





**नगीना/बिजनौर (सब का सपना):-** शारदीय नवरात्र के दूसरे दिन सोमवार को नगर में मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप मां ब्रह्मचारिणी की श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ पूजा-अर्चना की गई। सुबह से ही देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। भक्तों ने व्रत रखकर विधि-विधान से मां की पूजा की और अपने परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं मंगलमय जीवन की कामना की।नगर के धामपुर मार्ग स्थित श्रीरामलीला मैदान के निकट प्रसिद्ध देवी मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। महिला और पुरुष भक्तों ने मां के दर्शन कर चुनरी, नारियल और प्रसाद अर्पित किया। मंदिर परिसर में पूजा सामग्री, चुनरी, नारियल और प्रसाद की दुकानें भी सजी रहीं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसारमां ब्रह्मचारिणी तप त्याग, संयम और साधना की प्रतीक हैं। उनकी आराधना करने से भक्तों को धैर्य, आत्मबल और आध्यात्मिक शक्ति प्राप्त होती है। नवरात्र के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की पूजा का विशेष महत्व माना जाता है। श्रद्धालुओं ने मां के चरणों में शीश नवाकर अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति और परिवार की सुख-शांति के लिए प्रार्थना की। मंदिर से जुड़ी मान्यता है कि सच्चे मन से मां की पूजा-अर्चना करने और लगातार 40 दिनों तक अखंड ज्योत जलाने वाले भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इसी आस्था के चलते बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचकर मां का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। पूरे मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा।

# कतर की मस्जिद में इमाम की नौकरी का झांसा देकर 1.17 लाख रुपये ठगे, आरोपी गिरफ्तार

***फर्जी नियुक्ति पत्र देकर की धोखाधड़ी, रकम वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप***



**नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):-** कतर देश की मस्जिद में इमाम की नौकरी दिलाने का झांसा देकर 1 लाख 17 हजार 200 रुपये की ठगी करने के मामले में नजीबाबाद थाना पुलिस ने वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर फर्जी नियुक्ति पत्र देने और रकम वापस मांगने पर पीड़ित को जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप है। पुलिस के अनुसार, नजीबाबाद के मोहल्ला संतोंमलान निवासी मोहम्मद जुबैर ने 2 अक्टूबर 2026 को थाने में तहरीर देकर शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप है कि ग्राम जसवंतपुर उर्फ लुकादड़ी निवासी इकबाल अहमद पुत्र लियाकत अहमद ने उसे कतर की एक मस्जिद में इमाम की नौकरी दिलाने का भरोसा दिलाया था। इसके एवज में आरोपी ने बैंक ट्रांसफर, यूपीआई और अन्य खर्चों के नाम पर उससे कुल 1 लाख 17 हजार 200 रुपये ले लिए।पीड़ित का आरोप है कि विश्वास दिलाने के लिए आरोपी ने उसे कूटरचित नियुक्ति पत्र भी दिया था। बाद में वीजा की अवधि समाप्त होने पर जब उसने अपनी रकम वापस मांगी तो आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ पहले से धोखाधड़ी के दो अन्य मुकदमे भी दर्ज हैं। इनमें एक मामला थाना नजीबाबाद और दूसरा कोतवाली देहात से संबंधित है। पुलिस आरोपी के आपराधिक इतिहास को देखते हुए मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

# मिशन शक्ति फेज-5 के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान और सशक्तीकरण का दिया संदेश

***पुलिस लाइन से जागरूकता रैली को वरिष्ठ अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना***





**बिजनौर (सब का सपना):-** महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तीकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मिशन शक्ति फेज-5 के द्वितीय चरण के अंतर्गत पुलिस लाइन बिजनौर में जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली को मुख्य विकास अधिकारी, पुलिस अधीक्षक बिजनौर, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, अपर जिलाधिकारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।अभियान के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा और स्वावलंबन के प्रति जागरूक करते हुए महिला सशक्तीकरण का संदेश दिया गया। इस दौरान घरेलू हिंसा, छेड़छाड़, उत्पीड़न तथा सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाले साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही, किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना होने पर शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया के बारे में भी बताया गया। अधिकारियों ने महिलाओं एवं बालिकाओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने और किसी भी प्रकार के उत्पीड़न के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर बिना किसी संकोच के पुलिस की सहायता लें तथा उपलब्ध हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग करें। महिला हेल्पलाइन 181, वूमेन पावर लाइन 1090, आपातकालीन पुलिस सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 तथा साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 के संबंध में भी जानकारी देकर इनके महत्व से अवगत कराया गया।इस अवसर पर जनपद के नागरिकों से अपील की गई कि वे महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति सम्मानजनक व्यवहार करें और उनकी सुरक्षा के प्रति संवेदनशील रहें। किसी भी प्रकार की हिंसा, छेड़छाड़ या उत्पीड़न की जानकारी मिलने पर तत्काल संबंधित पुलिस अथवा हेल्पलाइन पर सूचना दें। अधिकारियों ने कहा कि महिला सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक का सामूहिक दायित्व है। मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना है।

# असोथर में चोरों का आतंक, चार वारदातों के बाद भी पुलिस के हाथ खाली

***बौंडर की लाखों की चोरी अनसुलझी, अब तीन गांवों में चोरों ने बोला धावा; पुलिस गश्त पर उठे सवाल***



**असोथर/फतेहपुर (सब का सपना):-** जनपद के असोथर थाना क्षेत्र में चोरी की लगातार हो रही घटनाओं ने पुलिस की रात्रि गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सितंबर में बौंडर वार्ड नंबर तीन स्थित एक घर से लाखों के जेवरात और नकदी चोरी हुई, लेकिन अब तक खुलासे की जानकारी सामने नहीं आई। इसके बाद नौ और 10 अक्टूबर की रात अंदीपुर, छोटी अंदीपुर और टीकर गांव में चोरों ने तीन स्थानों को निशाना बनाकर पुलिस को फिर चुनौती दे दी। इन घटनाओं में चोर करीब चार लाख रुपये के जेवरात, नकदी और बकरी ले गए। लगातार वारदातों के बावजूद चोरों तक पुलिस के हाथ नहीं पहुंचने से ग्रामीणों में नाराजगी है। नगर पंचायत असोथर के बौंडर वार्ड नंबर तीन में 18 और 19 सितंबर की रात चोरों ने मातादीन पुत्र स्व. वीरेंद्र के घर को निशाना बनाया था। चोर घर से चांदी की चार हाफ पेटी, चार जोड़ी पायल, सोने की तीन लॉकेट माला, तीन नथिया, दो अंगूठियां, दो जोड़ी झुमकी, चार जोड़ी तोड़िया, तीन बेसर, पांच जोड़ी बिछिया समेत अन्य आभूषण और करीब पांच हजार रुपये नकद चोरी कर ले गए थे। लाखों की इस चोरी का अब तक खुलासा न होने से पुलिस की जांच पर सवाल उठ रहे हैं। नौ और 10 अक्टूबर की रात चोरों ने अंदीपुर गांव में सुरेश कुमार पुत्र देशराज के घर से करीब एक से डेढ़ किलो चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। पीड़ित ने इनकी कीमत करीब तीन लाख रुपये बताई है। छोटी अंदीपुर में नीरज द्विवेदी के घर का पिछला दरवाजा तोड़कर करीब 10 हजार रुपये नकद और सोने की अंगूठी चोरी कर ली गई। वहीं, टीकर गांव में विनीता देवी की करीब 10 हजार रुपये कीमत की बकरी चोर खोल ले गए।
लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में असुरक्षा का माहौल है। लोगों का सवाल है कि जब एक ही क्षेत्र में बार-बार वारदातें हो रही हैं तो रात्रि गश्त और संदिग्धों की निगरानी कितनी प्रभावी है? ग्रामीणों ने चोरी की घटनाओं का जल्द खुलासा करने और रात में पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है।थाना प्रभारी राजीव मिश्रा के मुताबिक, हालिया चोरी की घटनाओं में अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। हालांकि, बौंडर की पुरानी वारदात समेत सभी मामलों में चोरी गए सामान की बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस की कार्रवाई पर लोगों की नजरें टिकी हैं।

# मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत निकाली गई जागरूकता रैली



**नगीना/बिजनौर (सब का सपना):-** डीजे पर देश भक्ति की धुनों के साथ मिशन शक्ति अभियान में सोमवार को शारदीय नवरात्र के दूसरे दिन पुलिस प्रशासन व भाजपा नेताओं ने जागरूकता रैली निकाली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर शारदीय नवरात्र में मिशन शक्ति अभियान का फेज 6.0 शुरू हुआ। नवरात्र के दूसरे दिन सीओ राजेश कुमार सोलंकी व थाना प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार के नेतृत्व में मिशन शक्ति अभियान की जागरूकता रैली स्कूली छात्राओं के साथ सोमवार को पूर्वाह्न साढ़े ग्यारह बजे थाना नगीना कोतवाली से प्रारंभ हुई और महात्मा गांधी तिराहे पर पहुंचकर गांधी प्रतिमा के सामने संपन्न हुई।सीओ राजेश कुमार सोलंकी ने बताया कि महिलाओं की सुरक्षा, स्वाभिमान व स्वावलंबन के लिए मिशन शक्ति अभियान चलाया जा रहा है और नवरात्र में इसका छठा चरण चल रहा है। मिशन शक्ति अभियान जागरूकता रैली में सीओ राजेश सिंह सोलंकी व थाना प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार तथा पूर्व विधायक सतीश गौतम,भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष प्रमोद चौहान, नगर मंडल महासचिव पंडित सचिन शर्मा, नगर मंडल अध्यक्षा पति सौरभ मित्तल, भाजपा अनुसूचित मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष चंद्रशेखर पाल, नगर मंडल उपाध्यक्ष लवी मित्तल व राजकुमार विश्नोई आदि साथ रहे।

# सपा विधायक समेत पांच करीबियों के बयानों के बाद आजम खां से होगी पूछताछ, वित्तीय लेन-देन पर होगा सवाल




**लखनऊ :** रामपुर के जौहर ट्रस्ट को कंपनियों के माध्यम से मिले करोड़ों रुपये के डोनेशन का स्रोत पता लगाने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अब पूर्व मंत्री आजम खां से पूछताछ करेगा। इसके लिए ईडी की टीम मंगलवार को रामपुर जेल जाएगी। जौहर ट्रस्ट से जुड़े लोगों और आजम खां के करीबियों के बयान दर्ज करने के बाद अब एजेंसी उनके बयान के आधार पर वित्तीय लेन-देन की कड़ियां जोड़ने की तैयारी में है। जांच में एस एंड ए समेत 11 फर्म के माध्यम से जौहर यूनिवर्सिटी को करोड़ों रुपये का डोनेशन दिए जाने की जानकारी सामने आई है। ईडी इस रकम के स्रोत और ट्रस्ट तक पहुंचने के माध्यम की पड़ताल कर रही है। ईडी जौहर ट्रस्ट और उससे जुड़े वित्तीय लेन-देन की जांच के तहत संबंधित कंपनियों, बैंक खातों और ट्रस्ट के बीच हुए लेन-देन का ब्योरा जुटा रही है। एजेंसी यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि डोनेशन की रकम कहां से आई और इसे किन माध्यमों से जौहर यूनिवर्सिटी तक पहुंचाया गया। इसके लिए ट्रस्ट से जुड़े लोगों से पूछताछ कर उनके बयानों और उपलब्ध दस्तावेजों का मिलान किया जा रहा है। इस मामले में आजम खां के करीबी सालिम से अब तक दो बार पूछताछ हो चुकी है। तीसरी बार सालिम को बुलाया गया है। सालिम आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम का कामकाज देखता रहा है। एजेंसी की जांच के दायरे में आजम खां के एक अन्य करीबी अनवर की भूमिका भी है। अनवर से भी 14 अक्टूबर को पूछताछ हो सकती है। अब तक की जांच में क्या-क्या हुआ
19 अगस्तः ईडी ने रामपुर, सहारनपुर और दिल्ली में जौहर ट्रस्ट, जौहर यूनिवर्सिटी और आजम खां से जुड़े 10 ठिकानों पर छापेमारी की। विश्वविद्यालय के निर्माण खर्च, ट्रस्ट को मिले चंदे और वित्तीय लेन-देन से संबंधित दस्तावेजों की पड़ताल की गई। 25 सितंबरः जौहर यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. जहीरुद्दीन से करीब आठ घंटे पूछताछ की गई। उनसे ट्रस्ट को मिले चंदे, विश्वविद्यालय के निर्माण खर्च और संबंधित वित्तीय लेन-देन के बारे में सवाल किए गए। 30 सितंबरः आजम खां के करीबी सालिम से पहली बार पूछताछ की गई। ट्रस्ट और विश्वविद्यालय से जुड़े वित्तीय लेन-देन के संबंध में जानकारी मांगी गई। पांच अक्टूबरः आजम खां के चार्टर्ड अकाउंटेंट दीपक गोयल से पूछताछ की गई। ट्रस्ट के खातों और विश्वविद्यालय के निर्माण पर खर्च की गई रकम से जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल हुई। छह अक्टूबरः सपा विधायक नसीर अहमद खान से करीब सात घंटे पूछताछ की गई। उनसे जौहर ट्रस्ट में उनकी भूमिका, डोनेशन और विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों के बारे में सवाल किए गए। आठ अक्टूबरः सालिम से दूसरी बार करीब आठ घंटे पूछताछ हुई। एजेंसी उसके बयानों और एस एंड ए फर्म से जुड़े दस्तावेजों में सामने आए तथ्यों का मिलान कर रही है।

# शादी के बाद भी पीछा करने का आरोप, अश्लील वीडियो से ब्लैकमेलिंग की शिकायत

***धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप, पीड़िता ने पुलिस से लगाई न्याय की गुहार***

**चांदपुर/बिजनौर (सब का सपना):-** जनपद के चांदपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी विवाहित महिला ने सुंदरा गांव निवासी एक युवक पर शादी के बाद भी पीछा करने, छेड़छाड़ करने, अश्लील वीडियो के जरिए ब्लैकमेल करने तथा जबरन शारीरिक संबंध बनाने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता ने आरोपी पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप भी लगाया है। पीड़िता ने पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर न्याय दिलाने और अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। पीड़िता की शिकायत के अनुसार, सुंदरा गांव निवासी मनोज कुमार कथित तौर पर लंबे समय से उसे परेशान कर रहा था। आरोप है कि जब भी वह किसी जरूरी काम से घर से बाहर जाती थी, तो आरोपी उसका रास्ता रोककर अभद्रता और छेड़छाड़ करता था। विरोध करने पर गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है।महिला के मुताबिक, लगातार परेशान किए जाने के कारण उसके परिजनों ने उसकी शादी नूरपुर थाना क्षेत्र के एक युवक से कर दी थी। हालांकि, पीड़िता का आरोप है कि शादी के बाद भी आरोपी ने उसका पीछा करना बंद नहीं किया और मायके आने पर भी उसे परेशान करता रहा। शिकायत में महिला ने आरोप लगाया है कि आरोपी ने उसकी इच्छा के विरुद्ध शारीरिक संबंध बनाए और कथित तौर पर उसका अश्लील वीडियो बना लिया। इसके बाद वीडियो को सोशल मीडिया पर प्रसारित करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल किया गया तथा बार-बार शारीरिक संबंध बनाने के लिए दबाव डाला गया। पीड़िता ने आरोपी पर जबरन रोकने और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने का आरोप भी लगाया है।पीड़िता का कहना है कि इन कथित घटनाओं के चलते वह भयभीत है और उसे अपनी सुरक्षा के साथ-साथ वैवाहिक जीवन तथा सामाजिक प्रतिष्ठा की भी चिंता सता रही है।
उसने पुलिस प्रशासन से शिकायत में लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच कराकर आरोपी के खिलाफ नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। इस संबंध में थाना चांदपुर के प्रभारी से जानकारी लेने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका। फिलहाल, शिकायत में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि तथा पुलिस की आधिकारिक प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हो सकी है।

# स्योहारा में 26 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर दी जान, पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा



**बिजनौर (सब का सपना):-** जनपद के स्योहारा थाना क्षेत्र में एक 26 वर्षीय युवक ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सोमवार सुबह घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय बिजनौर स्थित मोर्चरी भिजवा दिया। घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है। पुलिस के अनुसार, स्योहारा के मोहल्ला पटवारियान निवासी उवैश (26) पुत्र मोहम्मद इरशाद ने रविवार रात करीब 10:30 बजे अपने घर के एक कमरे में फांसी लगा ली। सोमवार सुबह मृतक के परिजन मोहम्मद आकिब पुत्र इरशाद ने यूपी-112 पर फोन कर पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि युवक ने कमरे की बीम में लगे हुक में रस्सी डालकर फांसी लगाई थी। इसके बाद पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर अपने कब्जे में लिया और पंचनामा भर कर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है।

# सीएम मान के ओएसडी राजबीर घुमन को राहत, अकाल तख्त पहुंचा बंगला साहिब गुरुद्वारा केस

अमृतसर पुलिस कमिश्नर कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। दिल्ली के गुरुद्वारा बंगला साहिब में पुलिस की एंट्री का विवाद अब अकाल तख्त के पास पहुंच गया है। सीएम मान के ओएसडी राजबीर घुमन को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है।अमृतसर पुलिस कमिश्नर कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी

अमृतसर पुलिस कमिश्नर कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। सूचना के बाद पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। अज्ञात व्यक्ति ने ई-मेल के जरिए धमकी दी। सूचना मिलते ही पुलिस के आला अधिकारी सतर्क हो गए और कार्यालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था की जांच की गई। प्रार्रभिक जानकारी के अनुसार, धमकी भरा ई-मेल मिलने के बाद पुलिस अधिकारियों ने कार्यालय परिसर में चेकिंग कर सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए धमकी देने वाले की पहचान करने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।गुरुद्वारा बंगला साहिब में पुलिस की एंट्री पर विवाद

दिल्ली स्थित गुरुद्वारा बंगला साहिब में पुलिसकर्मियों के जूते पहनकर प्रवेश करने का मामला अब श्री अकाल तख्त साहिब तक पहुंच गया है। आम आदमी पार्टी के विधायकों और नेताओं ने इस घटना को सिख धार्मिक मयार्दाओं का उल्लंघन बताते हुए कार्रवाई की मांग की है। डॉ. इंद्रबीर सिंह निज्जर के नेतृत्व में पार्टी नेताओं ने श्री अकाल तख्त साहिब



के जत्थेदार को ज्ञापन सौंपकर मामले का संज्ञान लेने की अपील की।सीएम मान के ओएसडी राजबीर घुमन को राहत

मुख्यमंत्री भगवंत मान के ओएसडी राजबीर घुमन को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने राजबीर घुमन की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि मामले में दर्ज सीबीआई एफआईआर के तहत कोई भी कठोर कार्रवाई न की जाए। हालांकि, कोर्ट ने एफआईआर पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। जस्टिस एमएम सुंदेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बेंच ने निर्देश दिया कि मामले में कोई कठोर कार्रवाई न की जाए। बेंच ने यह भी कहा कि राज्य को जांच में सहयोग करना चाहिए।वीजा कंसल्टेंसी के दफ्तर पर फायरिंग

लुधियाना के पॉश इलाके मॉडल टाउन एक्सटेंशन में बाइक सवार दो अज्ञात बदमाशों ने एक वीजा कंसल्टेंसी के दफ्तर को निशाना बनाकर फायरिंग की। शुरूआती पड़ताल में यह मामला रंगदारी के लिए धमकी से जुड़ा प्रतीत हो रहा है, क्योंकि पीड़ित को पहले भी लगातार धमकियां मिल रही थीं।रविवार देर रात दो अज्ञात हमलावर एक बाइक पर सवार होकर आए और 'राइटवे वीजा कंसल्टेंट्स' के दफ्तर के बाहर रुककर दहशत फैलाने के इरादे से 2 से 3 राउंड गोलियां चलाईं। घटना को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए।अमृतसर एयरपोर्ट पर दिखे संदिग्ध ड्रोन

अमृतसर के श्री गुरु रामदास जी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के आसपास संदिग्ध ड्रोन गतिविधि सामने आने के बाद रविवार रात सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं। एयरपोर्ट परिसर और आसपास के आसमान में दो से तीन ड्रोन उड़ते देखे जाने के बाद सुरक्षा के मद्देनजर रनवे का संचालन रोक दिया गया। इसके चलते अमृतसर आने वाली तीन उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा। अचानक उड़ानों का मार्ग बदलने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

## अमृतसर कमिश्नर कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी: ई-मेल मिलने के बाद अलर्ट, भेजने वाले की तलाश में जुटी पुलिस




अमृतसर पुलिस कमिश्नर कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। सूचना के बाद पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। अज्ञात व्यक्ति ने ई-मेल के जरिए धमकी दी। सूचना मिलते ही पुलिस के आला अधिकारी सतर्क हो गए और कार्यालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था की जांच की गई।प्रार्रभिक जानकारी के अनुसार, धमकी भरा ई-मेल मिलने के बाद पुलिस अधिकारियों ने कार्यालय परिसर में चेकिंग कर सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए धमकी देने वाले की पहचान करने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।पुलिस की ओर से मामले में केस दर्ज कर लिया गया है। अब ई-मेल भेजने वाले की पहचान करने के लिए तकनीकी पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि धमकी किसने दी और इसके पीछे उसका क्या मकसद था। फिलहाल, धमकी की वास्तविकता और इसके पीछे की मंशा का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

## पंजाब में ईडी की रेड: बठिंडा और पटियाला में पार्क अस्पताल में दी दबिश, पानीपत में महिला की मौत से जुड़े तार

बठिंडा पंजाब में प्रवर्तन निदेशालय ईडी की टीम ने पार्क अस्पतालों पर कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार, बठिंडा और पटियाला स्थित पार्क अस्पतालों में ईडी की छापेमारी जारी है। यह कार्रवाई आयुष्मान भारत योजना के तहत कथित अनियमितताओं से जुड़े मामले में की जा रही है। टीम अस्पतालों के प्रशासनिक कार्यालयों, दस्तावेजों और डिजिटल रिकॉर्ड की जांच कर रही है। सूत्रों के अनुसार, इस मामले की कड़ियां हरियाणा के पानीपत में सामने आए एक कथित धोखाधड़ी के मामले से जुड़ी हैं। वहां एक मरीज की मौत के बाद पार्क अस्पताल के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया था। परिजनों ने आरोप लगाया था कि सड़क हादसे में पैर की हड्डी टूटने के बाद महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। परिवार के पास आयुष्मान कार्ड था और महिला के पांव का इलाज किया जाना था।परिजनों का आरोप था कि अस्पताल में आयुष्मान भारत योजना के तहत अधिक राशि का क्लेम लेने के लिए मरीज की सहमति के बिना उसके दिल




में स्टंट डाल दिया गया। आरोप है कि इस घटना के बाद महिला की मौत हो गई।

मामले में परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने अस्पताल के डॉक्टरों के खिलाफ केस दर्ज किया था।जांच के दौरान सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के तहत अधिक लाभ लेने के लिए सहमति पत्रों पर कथित तौर पर फर्जी हस्ताक्षर किए जाने की बात भी सामने आई थी। हालांकि, इन आरोपों की पुष्टि जांच और संबंधित कानूनी प्रक्रिया के बाद ही होगी। सूत्रों के मुताबिक, ईडी की टीम अस्पतालों के प्रशासनिक कार्यालयों में दस्तावेजों की जांच कर रही है। अस्पताल के वरिष्ठ अधिकारियों, प्रशासनिक कर्मचारियों और प्रबंधन से जुड़े लोगों के मोबाइल फोन भी जब्त किए जाने की जानकारी सामने आई है। इसके अलावा कंप्यूटर, सर्वर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में मौजूद डिजिटल डेटा की भी पड़ताल की जा रही है। छापेमारी के दौरान अस्पताल परिसर में आवाजाही पर पाबंदी लगाए जाने की भी सूचना है।

फिलहाल ईडी की कार्रवाई से जुड़े विस्तृत आधिकारिक बयान और जांच के अंतिम निष्कर्ष सामने आने बाकी हैं।

## पंजाब में एसआईआर: विधानसभा चुनाव से पहले कटे 13 लाख वोट, मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने दी जानकारी

पंजाब में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद करीब 13 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं। पंजाब की मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनिंदिता मित्रा ने यह जानकारी दी। एसआईआर की प्रक्रिया से पहले राज्य में करीब 2.14 करोड़ मतदाता पंजीकृत थे, जबकि पुनरीक्षण के बाद यह संख्या घटकर लगभग 2.01 करोड़ रह गई है। मतदाता सूची में हुए इस बदलाव के बाद पंजाब में मतदाताओं की कुल संख्या में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। एसआईआर के तहत मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण कर उनमें दर्ज नामों और संबंधित विवरणों की जांच की जाती है, ताकि सूची को अद्यतन किया जा सके। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनिंदिता मित्रा की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, इस प्रक्रिया के




बाद राज्य की मतदाता सूची में करीब 13 लाख मतदाताओं की कमी आई है। हालांकि, हटाए गए नामों के कारणों और अलग-अलग श्रेणियों में नाम कटने का विस्तृत ब्योरा उपलब्ध होने पर ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि कितने नाम मृत मतदाताओं, स्थान परिवर्तन या अन्य कारणों से हटाए गए हैं।

मतदाता सूची में नाम दर्ज होना मतदान के अधिकार के लिए जरूरी है। ऐसे में मतदाताओं के लिए अपनी प्रविष्टियों की जांच करना महत्वपूर्ण है, ताकि आगामी चुनावों के दौरान उन्हें मतदान करने में किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

## अमृतसर में लंगूर मेले के दूसरे दिन उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

अमृतसर के ऐतिहासिक दुर्गियाना तीर्थ स्थित बड़ा हनुमान मंदिर में चल रहे विश्व प्रसिद्ध लंगूर मेले में दूसरे दिन भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही मंदिर में माथा टेकने और भगवान हनुमान का आशीर्वाद लेने के लिए श्रद्धालुओं का पहुंचना जारी रहा। मंदिर परिसर जय श्रीराम और जय हनुमान के जयकारों से गूंजता रहा। नवरात्र के दौरान आयोजित होने वाले इस मेले का विशेष धार्मिक महत्व है। मान्यता के अनुसार, संतान प्राप्ति की कामना पूरी होने पर श्रद्धालु अपने बच्चों को लंगूर के रूप में तैयार कर मंदिर में माथा टेकने लाते हैं। बच्चे पारंपरिक लाल पोशाक पहनकर, कमर में घुंघरू बांधकर और हाथ में छड़ी लेकर मंदिर पहुंचते हैं। मेले में छोटे बच्चों के लंगूर स्वरूप श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। दूसरे दिन भी मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। नवरात्र के चलते मंदिर में धार्मिक उत्साह का माहौल बना हुआ है।

## सोशल मीडिया पर निजी फोटो-वीडियो शेयर करने से पहले सावधान! जालंधर पुलिस ने किया अलर्ट



जालंधर : जालंधर पुलिस कमिश्नरेट ने लोगों को ऑनलाइन ब्लैकमेलिंग और सेक्सटॉर्शन जैसे साइबर क्राइम के बारे में जागरूक करने के लिए एक खास मैसेज जारी किया है। पुलिस कमिश्नरेट ने लोगों से अपील की है कि वे इंटरनेट और सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते समय सावधान रहें और अपनी पर्सनल तस्वीरें, वीडियो और पर्सनल जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ शेयर न करें। पुलिस ने साफ किया है कि पैसे मांगना या पर्सनल तस्वीरें और वीडियो पब्लिक करने की धमकी देकर किसी को डराना एक गंभीर साइबर क्राइम है। पुलिस कमिश्नर सतिंदर सिंह ने लोगों से अपील की है कि वे सेक्सटॉर्शन और ऑनलाइन ब्लैकमेलिंग के मामलों को गंभीरता से लें और ऐसे अपराधियों के दबाव में न आएं। ऐसी घटनाओं में अपराधी सोशल मीडिया या दूसरे ऑनलाइन माध्यमों से लोगों से संपर्क करते हैं, उनका भरोसा जीतते हैं और बाद में पर्सनल तस्वीरें या वीडियो पब्लिक करने की धमकी देकर उन्हें ब्लैकमेल करते हैं। कभी-कभी पीड़ितों से पैसे मांगे जाते हैं और मांग पूरी न होने पर उनके पर्सनल कंटेंट को परिवार, दोस्तों या सोशल मीडिया पर शेयर करने की धमकी दी जाती है। पुलिस की तरफ से जारी एक अवेयरनेस मैसेज में नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे अपनी पर्सनल तस्वीरें, वीडियो और पर्सनल जानकारी किसी के साथ ऑनलाइन शेयर न करें। सोशल मीडिया पर किसी अनजान व्यक्ति पर तुरंत भरोसा न करें, भले ही वह दोस्ताना व्यवहार करे या अपनी पहचान भरोसेमंद तरीके से बताए। इसके साथ ही, नागरिकों को अपने सोशल मीडिया अकाउंट की प्राइवेसी सेटिंग्स को स्ट्रांग रखना चाहिए और इंटरनेट पर अपनी पर्सनल जानकारी शेयर करते समय सावधानी बरतनी चाहिए, ताकि इसका गलत इस्तेमाल न हो सके।

पुलिस ने यह भी कहा है कि अगर कोई व्यक्ति पर्सनल तस्वीरें या वीडियो शेयर करने की धमकी देता है, तो घबराने की जरूरत नहीं है। पीड़ित को अपराधी के दबाव में आकर पैसे देने से बचना चाहिए और तुरंत पुलिस को मामले की सूचना देनी चाहिए। संबंधित चैट, फोन नंबर, प्रोफाइल लिंक, स्क्रीनशॉट और दूसरे डिजिटल सबूत सुरक्षित रखने से शिकायत और जांच में मदद मिल सकती है। पीड़ितों को बिना किसी झिझक के आगे आना चाहिए, क्योंकि ऐसे मामलों में शिकायत दर्ज करना अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जागरूकता अभियान के तहत, जालंधर पुलिस कमिश्नरेट ने सेक्सटॉर्शन और साइबर क्राइम की रिपोर्ट करने के लिए 'युद्ध नशे विरुद्ध' हेल्पलाइन नंबर 97791-00200 को खास तौर पर दिखाया है। पोस्टर में यह भी भरोसा दिलाया गया है कि शिकायत करने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी। नागरिकों से अपील की गई है कि अगर वे साइबर क्राइम का शिकार होते हैं तो चुप न रहें और समय पर पुलिस को बताएं।अपने संदेश में, जालंधर पुलिस कमिश्नरेट ने 'सुरक्षित सोचें, सुरक्षित रहें' का आह्वान किया है और कहा है कि साइबर जागरूकता, सतर्कता और समय पर शिकायत ऑनलाइन ब्लैकमेलिंग के खतरे को कम करने में मदद कर सकती है। पुलिस का मकसद लोगों, खासकर युवाओं को डिजिटल सुरक्षा के बारे में जागरूक करना और उन्हें ऐसे अपराधों से बचने के लिए प्रोत्साहित करना है।

पुलिस की अपील

पर्सनल तस्वीरें और वीडियो शेयर करने में सावधानी बरतें, अनजान लोगों पर आंख मूंदकर भरोसा न करें और ऑनलाइन ब्लैकमेल होने पर घबराने के बजाय तुरंत रिपोर्ट करें। सेक्सटॉर्शन एक अपराध है, मजाक नहीं।

## आग ने छीना परिवार का आशियाना! देखते ही देखते लाखों का सामान जलकर राख



पठानकोट (हरजिंदर सिंह गोराया ) : पठानकोट के भोआ क्षेत्र के तहत पड़ते गांव डेरा बाबा बसंत पुरी में एक गरीब दिहाड़ी मजदूर के घर में अचानक भीषण आग लग गई। इस अग्निकांड में पीड़ित परिवार का राशन, कपड़े, बिस्तर, बर्तन, सोने-चांदी के गहने और नकदी समेत घरेलू सामान जलकर पूरी तरह राख हो गया। पीड़ित परिवार ने जिला प्रशासन और सरकार से आर्थिक मदद की गुहार लगाई है। पीड़ित मकान मालिक विनोद कुमार ने बताया कि घटना के समय परिवार के सदस्य अपनी दिहाड़ी-मजदूरी के काम पर गए हुए थे और घर पर कोई मौजूद नहीं था। इसी दौरान अचानक घर के अंदर से धुआं उठने लगा और देखते ही देखते आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। घर खाली होने के कारण आग लगने के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पूर्व सरपंच मनोहर लाल ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि आग की लपटें उठती देख आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे। गांव वालों ने सबमर्सिबल मोटरों, पानी के पाइपों और बाल्टियों से पानी डालकर बड़ी मुश्किल से आग पर काबू पाया। कमरे में दाखिल होने के लिए दरवाजे और खिड़कियां तक तोड़नी पड़ीं। पूर्व सरपंच ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि घटना के समय आपातकालीन नंबर 112 पर सूचना दी गई थी, लेकिन इसके बावजूद प्रशासन की कोई टीम मौके पर सहायता के लिए नहीं पहुंची। पूर्व सरपंच मनोहर लाल के अनुसार, पीड़ित परिवार बेहद गरीब है और मेहनत-मजदूरी कर अपना पेट पालता है। आग की भेंट चढ़े सामान में डबल बेड, कपड़े, बर्तन, राशन के अलावा शादियों का रखा सामान (बुरणियां) और 15 से 16 हजार रुपये की नकदी शामिल है। इस हादसे में परिवार को लगभग 2 से 2.5 लाख रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से जल्द से जल्द मुआवजे की मांग की है ताकि वे दोबारा अपना आशियाना खड़ा कर सकें।

## गुरुद्वारा बंगला साहिब में पुलिस की एंट्री पर विवाद: आप ने श्री अकाल तख्त को सौंपा ज्ञापन, अमित शाह पर आरोप

दिल्ली स्थित गुरुद्वारा बंगला साहिब में पुलिसकर्मियों के जूते पहनकर प्रवेश करने का मामला अब श्री अकाल तख्त साहिब तक पहुंच गया है। आम आदमी पार्टी के विधायकों और नेताओं ने इस घटना को सिख धार्मिक मयार्दाओं का उल्लंघन बताते हुए कार्रवाई की मांग की है। डा. इंद्रबीर सिंह निज्जर के नेतृत्व में पार्टी नेताओं ने श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार को ज्ञापन सौंपकर मामले का संज्ञान लेने की अपील की।आप नेताओं के अनुसार, दिल्ली में छात्र आंदोलन के दौरान कुछ छात्र गुरुद्वारा बंगला साहिब में पहुंचे थे। उनका पीछा करते हुए पुलिसकर्मी जूते पहनकर गुरुद्वारा परिसर में दाखिल हो गए। पार्टी नेताओं ने कहा कि गुरुद्वारा साहिब में प्रवेश के दौरान धार्मिक मयार्दाओं का पालन किया जाना जरूरी है। यह सब कुछ गृहमंत्री अमित शाह के कहने पर किया गया इसीलिए ऐसे में इस घटना पर श्री अकाल तख्त साहिब को संज्ञान लेकर उचित कार्रवाई



करनी चाहिए।विधायक मनविंदर सिंह ग्यासपुरा ने प्रवेश नहीं देने का लगाया आरोप

ज्ञापन सौंपने के दौरान एक अन्य मामला भी सामने आया। पायल हलके से आप विधायक मनविंदर सिंह ग्यासपुरा ने आरोप लगाया कि उन्हें श्री अकाल तख्त साहिब के सचिवालय में प्रवेश नहीं करने दिया गया। उन्होंने मीडिया के सामने कहा कि उन्हें अनुसूचित जाति (एससी) से संबंधित होने के कारण रोका गया। हालांकि, इस आरोप की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।विधायक डा. इंद्रबीर सिंह निज्जर से इस संबंध में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि उन्हें इस मामले की जानकारी नहीं है और इसके लिए श्री अकाल तख्त साहिब के सचिवालय से संपर्क किया जाना चाहिए। वहीं, इस पूरे प्रकरण पर श्री अकाल तख्त साहिब की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।कई विधायकों और नेताओं ने सौंपा ज्ञापन

ज्ञापन सौंपने वालों में कैबिनेट रैंक प्राप्त बलजिंदर कौर, दसूहा के विधायक कर्मबीर सिंह घुम्मण, उड़मुड़ के विधायक जसवीर सिंह राजा, अमृतसर दक्षिणी के विधायक डा. इंद्रबीर सिंह निज्जर, कादियां के हलका प्रभारी गुरइकबाल सिंह माहल, तरनतारन के विधायक हरमीत सिंह संधू, मुख्य प्रवक्ता एवं अजनाला के विधायक कुलदीप सिंह धालीवाल, डेरा बाबा नानक के विधायक गुरदीप सिंह रंधावा, अमृतसर पूर्वी की विधायक जीवनजोत कौर, महल कलां के विधायक कुलवंत सिंह पंडोरी, खेमकरण के विधायक सरवन सिंह धुन्न, लुधियाना के विधायक कुलवंत सिंह ग्यासपुरा, बाबा बकाला के विधायक दलवीर सिंह तुंग, राजासांसी की हलका प्रभारी सोनिया मान, तरनतारन के प्रधान एवं जिला परिषद चेयरमैन अंगदीप सिंह, खडूर साहिब के विधायक मनजिंदर सिंह लालपुरा और अटारी के विधायक जसविंदर सिंह रमदास शामिल थे।

## लुधियाना में वीजा कंसल्टेंट्स दफ्तर पर फायरिंग: लगातार मिल रही थीं धमकियां, सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

लुधियाना के पॉश इलाके मॉडल टाउन एक्सटेंशन में बाइक सवार दो अज्ञात बदमाशों ने एक वीजा कंसल्टेंसी के दफ्तर को निशाना बनाकर फायरिंग की। शुरूआती पड़ताल में यह मामला रंगदारी के लिए धमकी से जुड़ा प्रतीत हो रहा है, क्योंकि पीड़ित को पहले भी लगातार धमकियां मिल रही थीं।रविवार देर रात दो अज्ञात हमलावर एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए और 'राइटवे वीजा कंसल्टेंट्स' के दफ्तर के बाहर रुककर दहशत फैलाने के इरादे से 2 से 3 राउंड गोलियां चलाईं। घटना को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए।सूत्रों और शुरूआती पुलिस जांच के मुताबिक, इस सनसनीखेज वारदात की जड़ें पुरानी धमकियों और रंगदारी से जुड़ी हो सकती हैं। पुलिस को यह जानकारी मिली है कि वीजा कंसल्टेंट के दफ्तर को चलाने वाले



पीड़ित को पहले भी कई बार धमकियां मिल चुकी थीं और उससे पैसों की डिमांड की जा रही थी। हालांकि, अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि इन धमकियों के पीछे किस गैंग या शख्स का हाथ है और बदमाशों द्वारा कितनी रकम की मांग की गई थी।वारदात की सूचना मिलते ही मॉडल टाउन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। मॉडल टाउन के एसएचओ गुरशिंदर कौर ने बताया कि पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटा लिए हैं और आसपास के तमाम रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला जा रहा है ताकि बदमाशों के आने-जाने के रूट का पता चल सके।फिलहाल पुलिस पीड़ित के आधिकारिक बयानों को दर्ज कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि बयानों के आधार पर ही इस पूरी वारदात की परतें खुल सकेंगी और यह स्पष्ट हो पाएगा कि इस फायरिंग के पीछे असली मास्टरमाइंड कौन है। पुलिस की विशेष टीमें आरोपियों की शिनाख्त कर उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही हैं।

**वीजा कंसल्टेंट के दफ्तर को चलाने वाले पीड़ित को पहले भी कई बार धमकियां मिल चुकी थीं और उससे पैसों की डिमांड की जा रही थी।**

## अमृतसर एयरपोर्ट पर दिखे ड्रोन: रात 9:30 बजे मचा हड़कंप, रनवे बंद; एयर इंडिया समेत तीन उड़ानें डायवर्ट

अमृतसर के श्री गुरु रामदास जी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के आसपास संदिग्ध ड्रोन गतिविधि सामने आने के बाद रविवार रात सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं। एयरपोर्ट परिसर और आसपास के आसमान में दो से तीन ड्रोन उड़ते देखे जाने के बाद सुरक्षा के मद्देनजर रनवे का संचालन रोक दिया गया। इसके चलते अमृतसर आने वाली तीन उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा। अचानक उड़ानों का मार्ग बदलने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।जानकारी के अनुसार, रविवार रात करीब 9:30 बजे एयरपोर्ट पर तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों ने



परिसर और आसपास के आसमान में संदिग्ध ड्रोन उड़ते देखे। जवानों ने तुरंत इसकी सूचना कंट्रोल रूम को दी। इसके बाद सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई और एहतियातन हवाई अड्डे पर उड़ानों का संचालन रोक दिया गया।तीन उड़ानों को किया गया डायवर्ट

ड्रोन गतिविधि के कारण दिल्ली से अमृतसर आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-855 को वापस दिल्ली भेज दिया गया। मुंबई से अमृतसर आ रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई-5028 को चंडीगढ़ और कुआलालंपुर से आ रही मलेशिया एयरलाइंस की फ्लाइट एमएच-118 को दिल्ली डायवर्ट किया गया।उड़ानों का मार्ग बदले जाने से कई यात्री एयरपोर्ट पर फंस गए। अचानक टिकट रद्द होने और उड़ानों के प्रभावित होने से यात्रियों में नाराजगी देखने को मिली। कुछ यात्रियों ने अधिकारियों से जानकारी मांगी, लेकिन शुरूआत में उन्हें स्पष्ट जवाब नहीं मिल पाया। हालांकि, रात करीब 10:30 बजे के बाद स्थिति सामान्य होने लगी।

सितंबर में भी सामने आई थी ड्रोन गतिविधि

अमृतसर एयरपोर्ट के आसपास ड्रोन गतिविधि का मामला पहले भी सामने आ चुका है। छह सितंबर की रात करीब 9:40 से 9:50 बजे के बीच रनवे और ऑपरेशनल एरिया के पास आसमान में संदिग्ध ड्रोन उड़ते देखे गए थे। उस समय सुरक्षा कारणों से एयरपोर्ट का संचालन करीब 90 मिनट तक रोकना पड़ा था। इसके चलते अमृतसर आने वाली सात व्यावसायिक उड़ानों का मार्ग बदलकर उन्हें दिल्ली और चंडीगढ़ भेजा गया था।फिलहाल रविवार रात देखे गए ड्रोन की गतिविधि और उन्हें उड़ाने वालों के बारे में जानकारी सामने नहीं आई है। सुरक्षा एजेंसियां मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कर रही हैं।

## सेवा केंद्र कर्मचारी यूनियन ने किया ऐलान, बढ़ सकती हैं लोगों की मुश्किलें

श्री मुक्तसर साहिब (तनेजा, खुराना): सेवा केंद्र कर्मचारी वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से कंपनी प्रबंधकों द्वारा कर्मचारियों की तनख्वाह बिना बताए काट ली जाती है और बाद में कोई बकाया राशि भी नहीं दी जाती। इसी तरह पिछले दिनों सेवा केंद्र कर्मचारियों की हड़ताल के बाद मानी गई मांगें भी अभी तक स्वीकार नहीं की गई हैं। कंपनी अपने ही नियमों और आर.एफ.पी. का उल्लंघन करके कर्मचारियों को जबरदस्ती नौकरी से निकाल रही है। यूनियन के प्रधान हरदीश सिंह, वाइस प्रधान अमनदीप सिंह, कैशियर नवजोत कौर, हरदीप सिंह और शेरबाज सिंह ने बताया कि कर्मचारी भूपिंदर कुमार को कंपनी की ओर से नौकरी से बर्खास्त करने का नोटिस जारी किया गया है। जबकि कंपनी की अपनी आधिकारिक नीति और आर.एफ.पी. गाइडलाइंस के अनुसार, किसी भी कार्रवाई से पहले निर्धारित कारण बताओ नोटिस और चेतावनी पत्र जारी करने की प्रक्रिया पूरी करना जरूरी है। बिना पूरी प्रक्रिया अपनाए सीधे नौकरी से निकालना

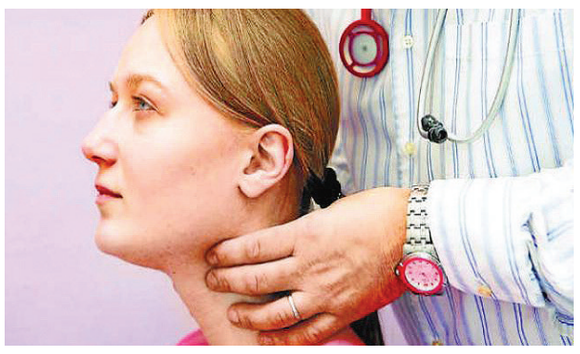



कंपनी के नियमों का सीधा उल्लंघन है। हालांकि कर्मचारी की ओर से अपना स्पष्टीकरण और माफीनामा भी जमा करवा दिया गया था। यूनियन नेताओं ने कहा कि इस मामले के समाधान के लिए पहले भी कंपनी को ईमेल के जरिए अनुरोध किया गया था, लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई। कंपनी की इस धक्केशाही और नियमों की अनदेखी से निराश होकर यूनियन ने मजबूरन 12 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का फैसला लिया है। यूनियन ने मांग की है कि भूपिंदर कुमार का बर्खास्तगी नोटिस तुरंत रद्द करके उसे नौकरी पर बहाल किया जाए। यदि कंपनी प्रबंधकों की ओर से आर.एफ.पी. के नियमों के अनुसार मामला हल नहीं किया गया, तो यूनियन इस मामले को राज्य सरकार के उच्च अधिकारियों और लेबर विभाग के पास ले जाकर कानूनी लड़ाई लड़ेगी। इस दौरान सेवा केंद्र में काम करवाने आए लोग बड़ी संख्या में परेशान हुए। एक परिवार मैरिज रजिस्ट्रेशन करवाने के लिए आया था, जिसमें लडके वाले नैनीताल से पहुंचे थे लेकिन हड़ताल के कारण उन्हें वापस लौटना पड़ा।

# अगर थायराइड है तो टीएसएच टेस्ट क्या है जानें?

थायराइड आम बीमारी हो गई है। पहले यह समस्या बड़ी उम्र वालों, और खासतौर पर महिलाओं में ज्यादा होती थी, लेकिन अस्वस्थ खान-पान और अव्यवस्थित जीवनशैली के कारण बड़ी संख्या में युवा तथा बच्चे भी इसकी चपेट में आने लगे हैं। डायग्नोस्टिक चेन एसआरएल की 2017 में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, 32 फीसदी भारतीय थायरॉइड से जुड़ी विभिन्न प्रकार की बीमारियों के शिकार हैं। अब तो थायराइड कैंसर के मामले सामने आने लगे हैं। ऑस्टिन में यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सस के अध्ययन में पता चला है कि थायराइड कैंसर के कारण हर साल लाखों मरीजों को अपनी थायराइड ग्रंथि या इसका कोई हिस्सा निकलवाना पड़ रहा है। अमेरिका के गैर-सरकारी संगठन एएआरपी के अनुसार, थायराइड दुनिया की उन 9 बीमारियों में शामिल हैं, जिन्हें पहचानने में डॉक्टर गलती कर जाते हैं। इसलिए यह जानना जरूरी है कि कौन-सा टेस्ट करवाने से थायराइड का सही-सही पता लगाया जा सकता है। इसका जवाब है-टीएसएच यानी थायराइड स्टिमुलेटिंग हार्मोन टेस्ट। जानिए इसके बारे में -

थायराइड स्टिमुलेटिंग हार्मोन टेस्ट थायराइड ग्रंथि पर किया जाता है। इससे पता लगाया जाता है कि थायराइड ग्रंथि ठीक तरह से काम कर रही है या नहीं कर रही? कहीं यह ओवरएक्टिव या अंडरएक्टिव तो नहीं? हालांकि ये दोनों ही परिस्थितियां नुकसानदायक होती हैं। सबसे खास बात यह है कि इस टेस्ट से शरीर में थायराइड का कोई लक्षण नजर आने से पहले ही बीमारी का पता लगाया जा सकता है।



### पहले जानें थायराइड क्या है ?

मानव शरीर में ग्रंथि (ग्लैंड) एक ऐसा अंग है, जो शरीर के विकास के लिए जरूरी रासायनिक पदार्थों को स्रावित (निकालता) करता है। थायराइड ग्रंथि टी4 सहित विभिन्न हार्मोन निकालता है, जिन्हें संयुक्त रूप से थायराइड हार्मोन कहते हैं। ये हार्मोन पूरे शरीर में काम करते हैं और शारिरिक विकास, शरीर का तापमान और चयापचय (मेटाबोलज्म) प्रभावित करते हैं। नवाजात शिशुओं और बच्चों का दिमाग विकसित करने में भी इन हार्मोस की भूमिका होती है। थायराइड हार्मोस के बनने और शरीर में उपयोग को लेकर कोई परेशानी है तो टीएसएच टेस्ट जरूरी हो जाता है।

## कैसे किया जाता है टीएसएच टेस्ट?

खून की जांच के माध्यम से यह टेस्ट किया जाता है। खून का सैंपल सामान्य तरीके से लिया जाता है और फिर लैब में इसकी जांच होती है। इससे पता लगाया जाता है कि खून में टीएसएच की मात्रा क्या है? यह टेस्ट किसी भी सामान्य लैब पर करवाया जा सकता है।

## थायराइड स्टिमुलेटिंग हार्मोन टेस्ट कब करवाना चाहिए

सलाह दी जाती है कि 40 साल की अधिक उम्र के लोगों को साल में एक बार यह टेस्ट जरूर कराना चाहिए। ध्यान देने वाली बात यह भी है कि हमारे देश में ज्यादातर लोगों को यह नहीं पता होता कि उन्हें थायरायड की बीमारी है क्योंकि इसके लक्षण बेहद सामान्य होते हैं।

## थायरोइड टेस्ट किसको कराना चाहिए

जिन लोगों को लगता है कि उनका वजन जरूरत से ज्यादा बढ़ा हुआ है, उन्हें समय-समय पर थायराइड टेस्ट करवाते रहना चाहिए। यदि किसी को बिना किसी कारण के थकान होती है, कमजोरी लगती है, आलस्य आता है, हाथ-पैर में सूजन है, भूख ज्यादा लगती है तो भी थायराइड हो सकता है। यह स्थिति किसी भी आयु वर्ग के लोगों में हो सकती है। आज कल बच्चे भी शिकार होने लगे हैं। यह बीमारी महिलाओं में सबसे ज्यादा होती है।

## टीएसएच टेस्ट के परिणाम का मतलब

वयस्कों में इसका सामान्य स्तर 0.4 से 5 मिली इंटरनेशनल यूनिट्स प्रति लीटर (mIU/L) होता है। यदि खून में टीएसएच का स्तर ज्यादा है तो अंडरएक्टिव थायराइड हो सकता है। प्रेग्नेंसी के दौरान टीएसएच बढ़ा हुआ हो सकता है। यदि मरीज स्टेरॉयड, डोपामाइन, या ओपिओइड दर्द निवारक (जैसे मॉर्फिन ) दवाओं का सेवन कर रहा है तो जांच में टीएसएच का सामान्य से कम स्तर आ सकता है। टीएसएच का कम स्तर ऑवरएक्टिव थायराइड का संकेत देता है। यदि टेस्ट में टीएसएच का सामान्य से कम स्तर आता है तो इसका अर्थ है कि शरीर में आयोडीन बहुत अधिक बढ़ गया है। मरीज थायराइड हार्मोन की दवाओं का जरूरत से अधिक सेवन कर रहा है।

## टीएसएच टेस्ट के क्या जोखिम होते हैं?

मोटे तौर पर इस टेस्ट का कोई जोखिम नहीं है। हां, जब मरीज के खून के सैंपल लिया जाता है, तब थोड़ा दर्द होता है। सूई से खून निकालने में सावधानी न बरती जाए, तो मरीज को परेशानी हो सकता है, लेकिन ऐसे मामले बहुत कम सामने आए हैं। इस तरह यह टेस्ट कभी भी, कहीं भी करवाया जा सकता है। इसमें कोई बड़ा जोखिम नहीं है। नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इंफोर्मेशन (एनसीबीआई) के मुताबिक, 99.6 फीसदी मामलों में यह टेस्ट सफल होता है।

## थायराइड स्टिमुलेटिंग हार्मोन (टीएसएच) टेस्ट से पहले

कुछ दवाएं ऐसी हैं तो टीएसएच टेस्ट के परिणाम को प्रभावित करती हैं। मसलन - ऐमियोडैरोन, लिथियम, पोटैशियम आयोडाइड, प्रेडनिसोन, डोपामाइन। इसलिए यदि मरीज इनमें से किसी दवा का सेवन कर रहा है तो टीएसएच टेस्ट से पहले डॉक्टर को सूचना जरूर दें। डॉक्टर की सलाह पर इन दवाओं का सेवन कुछ दिन के लिए बंद करने के बाद टेस्ट करवाया जा सकता है।

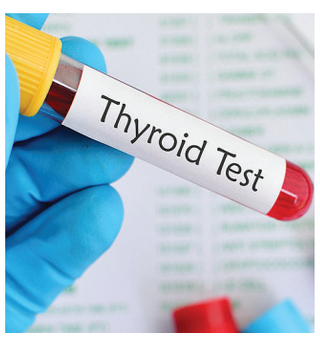
## टीएसएच टेस्ट के बाद यह है इलाज

अंडरएक्टिव थायराइड की स्थिति में डॉक्टर सिंथेटिक थायराइड हार्मोन की एक गोली रोज खाने की सलाह देते हैं। इससे हार्मोस का संतुलन बनता है और मरीज सामान्य महसूस करना शुरू कर देता है। मोटापे का शिकार मरीजों का वजन भी घटने लगता है। दो या तीन माह के डोज के बाद एक बार फिर टीएसएच टेस्ट किया जाता है और रिजल्ट सामान्य आने पर दवा बंद कर दी जाती है।

## ऑवरएक्टिव थायराइड का इलाज

इस स्थिति में इलाज के कई विक्ल्प शामिल हैं, जैसे - थायराइड का स्तर घटाने के लिए रेडियोएक्टिव आयोडीन या जरूरत से ज्यादा मात्रा में बन रहे हार्मोस को रोकने के लिए एंटी-थायरोइड दवाओं का सेवन। यह बीमारी जरूरत से ज्यादा बढ़ने पर हृदय गति बढ़ जाती है, जिसे सामान्य करने के लिए बेटा ब्लॉकर्स का उपयोग किया जाता है। हालात जरूरत से ज्यादा बिगड़ जाए तो फिर सर्जरी भी की जाती है।

### ऐसे होता है थायराइड कैंसर का टेस्ट




एम्स के डॉ. उमर अफरोज के अनुसार, थायराइड की कोशिकाओं में थायराइड कैंसर का निर्माण होता है। इसका पता लगाने के लिए विभिन्न टेस्ट किए जाते हैं, जिनमें शामिल हैं - अल्ट्रासाउंड, स्कैन, बायोप्सी और लैरिंगोस्कोपी। इसके अलावा ब्लड में कैल्शियम, फास्फोरस और कैल्सीटोनिन की मात्रा की जांच भी होती है।

## रेसिपी

### लड्डू पराठा



**सामग्री**

- आटा: 3 कप
- अजवाइन: 1 चम्मच
- नमक: आवश्यकता के अनुसार
- बचे हुए लड्डू: 8-10
- पानी: आवश्यकता के अनुसार

**विधि**

आटे में अजवाइन और नमक मिलाकर नरम आटा गूंथ लें और इसे 10-12 मिनट तक सेट होने के लिए रख दें। अब एक पैन में जरा सा घी डालें। इसके बाद इसमें बचे हुए लड्डुओं को तोड़कर डालें। अगर ये बहुत सख्त हैं तो जरा सा पानी मिला लें। अलग से चीनी मिलाने की जरूरत नहीं। एक से दो बार चलाकर गैस बंद कर दें। तैयार है पराठे की स्टफिंग। अब आटे की छोटी-छोटी लोई बनाएं और इनमें लड्डुओं की स्टफिंग भरकर उन्हें सेंक लें। लड्डू के इन पराठों को आप ब्रेकफास्ट में एन्जॉय कर सकते हैं। बच्चों को टिफिन में देने के लिए भी ये बहुत ही अच्छा ऑप्शन है।

### मटर की कचौरी



**सामग्री**

- गेहूं का आटा या मैदा: 2 कप
- तेल: 2 टीस्पून
- नमक: स्वाद के अनुसार
- हरी मटर: 1 कप
- पिट्ठी भूनने तेल : 2 टीस्पून
- हींग: चुटकी भर
- जीरा: 1/2 टीस्पून
- धनिया पाउडर: 1 टीस्पून
- सौंफ पाउडर: 1/2 टीस्पून
- लाल मिर्च पाउडर: 1/2 टीस्पून
- गरम मसाला: 1 टीस्पून
- अमचूर पाउडर: 1/4 टीस्पून
- हरी मिर्च बारीक कटी
- 1 इंच अदरक
- नमक स्वाद के अनुसार
- तेल तलने के लिए

**विधि**

गूंथे हुए आटे को सेट होने के लिए 20 मिनट के लिए एक तरफ रख दें। पिट्ठी तैयार करने मटर के दानों को ग्राइंडर में दरदरा पीस लें। पैन में तेल डालकर गर्म करें। फिर उसमें हींग और जीरा डालें। जीरा ब्राउन होने के बाद धनिया पाउडर, सौंफ, हरी मिर्च, अदरक डालकर हलका सा भूनें और मटर का पेस्ट डालें। फिर लाल मिर्च, गर्म मसाला, अमचूर, हरा धनिया और नमक डालकर मटर को 3-4 मिनट तक भूनें। अब पिट्ठी तैयार है। नींबू के आकार का आटा लेकर लोई बनाएं। उसे हथेली पर रखकर थोड़ा दबाकर बीच में एक छोटी चम्मच पिट्ठी भरकर गोल करें। अब भरी हुई लोई को हथेली से दबाकर उसका आकार बढ़ा लें, इससे लोई में मटर की पिट्ठी एकसार हो जाती है। भरी हुई लोई को बेलन से बेल लें। इसी तरह बाकी कचौरियां भी तैयार कर लें। बेली हुई कचौरी को एक-एक करके गर्म तेल में डालें और पलट कर दोनों ओर से सेंकें। तली हुई कचौरियां किसी प्लेट पर पेपर नैपकिन बिछाकर निकाल लें। इसी तरह सारी कचौरियां तल लें। अब कचौरियों को हरे धनिए की चटनी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।



## आज का राशिफल

**मेष** — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-5-7

**वृष** — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी व अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभांक-5-6-7

**मिथुन** — का की कू घ ङ छ के को हा

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-5-6-9

**कर्क** — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-1-6-7

**सिंह** — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-6

**कन्या** — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-3-8-7

**तुला** — रा री रु रे रो ता ती तू ते

जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-2-3-7

**वृश्चिक** — तो ना नी नू ने नो य यी यू

स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-2-6-8

**धनु** — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग बना है। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-4-8-9

**मकर** — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। खान-पान में सावधानी रखें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-5-6-8

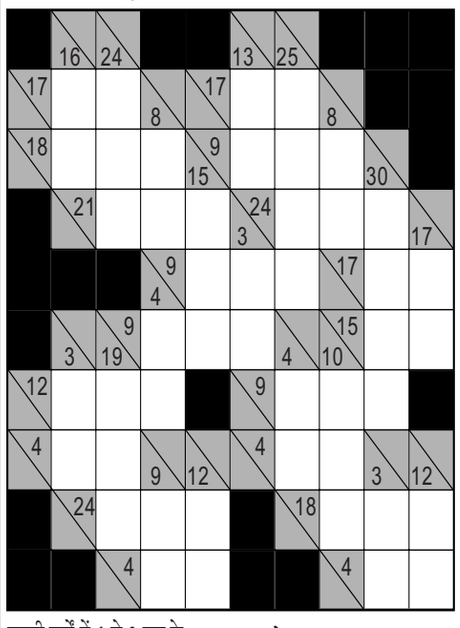
**कुंभ** — गू गे गो सा सी सू से सो दा

महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-8-9

**मीन** — दी दू थ झ ञ ज दे दो चा ची

शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

## काकुरो पहेली - 4037

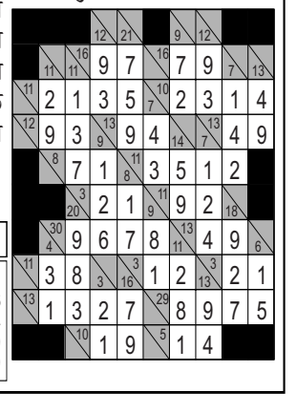


खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः




**काकुरो - 4036 का हल**



## लॉफिंग ज़ोन

एक प्रेमी ने सोचा कि प्रेमिका से विवाह का प्रस्ताव नए अंदाज में किया जाए।

एक दिन प्रेमिका से मुलाकात होने पर उसने कहा- प्रिये! मैं स्वयं को तुम्हें भेंट करना चाहता हूँ।

प्रेमिका ने बुरा सा मुँह बनाकर कहा- मुझे घटिया तोहफे लेने की आदत नहीं हैं।

□ □ □

वकील ने खूबसूरत युवती से पूछा- परसों रात तुम कहाँ थी?

युवती- अपने पड़ोसी के साथ रेस्त्राँ गई थी।

वकील ने दूसरा सवाल पूछा- और कल रात?

युवती- मेरे एक दूसरे पड़ोसी के साथ।

वकील ने धीरे से पूछा- और आज का तुम्हारा क्या कार्यक्रम है?

दूसरा वकील चिल्लाया- ऑब्जेक्शन मी लॉर्ड! यह सवाल मैंने पहले ही कर लिया है।

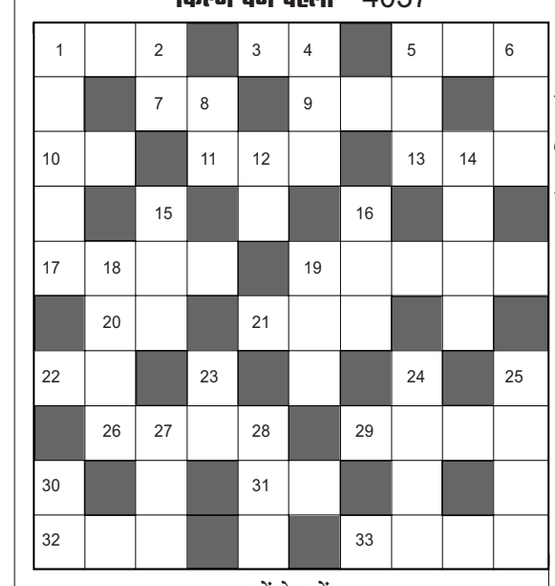
□ □ □

पति, पत्नी से- कल रात मैंने एक बहुत बुरा सपना देखा। मैंने देखा कि मैं सुंदर लड़कियों के झुंड में मौजूद हूँ।

पत्नी- तो यह सपना बुरा कैसे हुआ?

पति बोला- क्योंकि सपने में मैं खुद भी तो एक लड़की ही था।

## फिल्म वर्ग पहेली - 4037



**बायें से दायें:-**

१. 'तुम बिन जीवन कैसे' गीतवाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
३. सनीदेओल, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा' गीत वाली फिल्म-२
५. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
७. फिल्म 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-२
९. सनीदेओल, जयाप्रदा की 'चूड़े वाली छमिया' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'हम तो तंबू में बंबू' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
११. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-३
१३. फिल्म 'अनमोल मोती' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-३
१७. अमिताभ बच्चन, ऋषिकपूर, राखी, वहीदा, नसीम की 'प्यार कर लिया तो क्या' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'खुश रहो हर खुशी है' गीत वाली जीतेंद्र, राजश्री की फिल्म-५
२०. राजेंद्रकुमार, मालासिन्हा की 'बॉसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मेरे बिछड़े साथी' गीत वाली सुनीलदत्त, आशापारेख की फिल्म-३
२२. राजेश, सुलक्षणा की 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'जब जब बहार आई' गीत वाली भारत भूषण, शालिनी की फिल्म-४
२९. सनी देओल, अनिल कपूर, किमी काटकर की 'गली से मेरा यार गुजरा' गीत वाली फिल्म-४
३१. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषि कपूर के साथ नायिका कौन थी-२
३२. 'मेरे दिल में मची है तबाही' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'माँ तुझे सलाम' में अलबक्श की भूमिका किसने की है-४

**ऊपर से नीचे:-**

१. मेघना गुलजार की फिल्म 'फिलहाल' के संगीत निर्देशक-२,३
२. फिल्म 'साया' की नायिका कौन है-२
४. फिल्म 'स्टम्प्ड' की निर्मात्री एवं नायिका कौन हैं-३
५. 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली सनी, अमृता सिंह की फिल्म-३
६. धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की 'छुपा लो यूँ दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली फिल्म-२
१४. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-२,२
१५. विकास भल्ला, का काजोल की 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'ओ नाम रे सबसे' गीत वाली अमिताभ, शशि, रेखा की फिल्म-३
१८. अशोक कुमार, मीना की 'दिल जो ना कह सका' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'क्या हुआ अरे' गीत वाली संजीव कुमार, परीक्षित, शबाना की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, सायरा बानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा गाँव बड़ा' गीत वाली फिल्म-४
२५. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'प्यार कर इकरार' गीत वाली फिल्म-४
२७. फिल्म 'तलाश' में अक्षय के साथ नायिका कौन है-३
२८. 'अँखियाँ मिलाके जिया भरमाके' गीत वाली स्वर्णलता की एक हिट फिल्म-३
३०. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२

**फिल्म वर्ग पहेली - 4936**

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फा | | द | ह | क | | श | जू | चा | चा |
| गु | ला | म | | री | ना | | ही | | ल |
| न | | न | सी | ब | | दा | | जे | बा |
| | गैं | | मा | | जु | ग | नू | | ज |
| फ | की | श | | क | र्मा | | त | ब्बू | |
| र्ज | | ज | ख्मी | | ना | दा | न | | ती |
| | बा | पू | | शू | | दा | | द | स |
| म | | त | ह | ल | का | | द | | श |
| क | र्ज | | म | | जो | शी | ला | | कौ |
| ड़ी | | मा | ला | मा | ल | | ल | गा | न |

## सूडोकु -4037

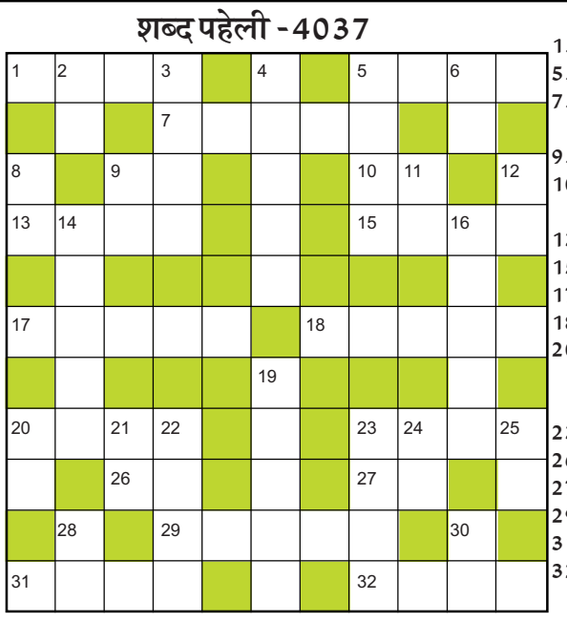
| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | | | | | | | 4 | |
| | | 5 | | 3 | | | 7 | |
| | | | | | 8 | | | 2 |
| | | | | | 1 | 9 | | |
| | 2 | | | | | | 8 | |
| | | 6 | 7 | | | | | |
| 1 | | | 4 | | | | | |
| | 9 | | | 2 | | 5 | | |
| | 8 | | | | | | | 1 |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु -4036 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 4 | 5 | 6 | 1 | 3 | 7 | 2 | 9 |
| 7 | 2 | 6 | 4 | 9 | 5 | 3 | 8 | 1 |
| 9 | 3 | 1 | 7 | 8 | 2 | 6 | 5 | 4 |
| 1 | 7 | 2 | 9 | 6 | 8 | 4 | 3 | 5 |
| 5 | 6 | 9 | 3 | 2 | 4 | 1 | 7 | 8 |
| 4 | 8 | 3 | 5 | 7 | 1 | 9 | 6 | 2 |
| 2 | 9 | 7 | 1 | 5 | 6 | 8 | 4 | 3 |
| 3 | 1 | 8 | 2 | 4 | 7 | 5 | 9 | 6 |
| 6 | 5 | 4 | 8 | 3 | 9 | 2 | 1 | 7 |

## शब्द पहेली -4037



**बाएँ से दाएँ**

1. सफल,उत्तीर्ण-4
5. ओस,रजनीजल-4
7. फरार होना,चंपत होना, पलायन करना-5
9. महीना,मास-2
10. साल का बारहवां भाग-2
13. पुचकारना-4
15. विष्णु,चक्रधारी-4
17. निरुत्तर होना-5
18. अपनत्व-5
20. असम के इस शहर को बादलों का घर कहा जाता हैं-4
23. निकृष्ट,अल्पतर-4
26. अंधकार-2
27. बुरा आदत-2
29. रसायन संबंधी-5
31. ब्राम्हण,सम्राट-4
32. गजानन,गणपति-4

**ऊपर से नीचे**

2. मां,आई,मदर-2
3. बारिश का गिरना-4
4. निर्माता,रचयिता-5
5. लज्जाना -4
6. मुलायम-2
8. उम्मीद-2
9. हार,जयमाल-2
11. हरे रंग का-2
12. वचन,प्रतिज्ञा-2
14. हैंडलूम, इस यंत्र पर धागों से बुनाई होती है-5
16. जनेऊ,उपनयन संस्कार-5
19. विलेन,नायक का विलोम-5
20. बादल-2
21. बुरी आदत-2
22. यम,मृत्यु का देवता-4
23. पानी के बहने की आवाज-2,2
24. वोट,अभिमत-2
28. इस जगह-2
30. कारावास,बंधन-2

**शब्द पहेली - 4036 का हल**

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क | ल | ह | | म | | प | र | दा | न | शी |
| पू | | क | ल | श | | छ | बी | ल | | त |
| त | ल | | | व | | ता | | | सा | ल |
| | ल | | धा | रा | प्र | वा | ह | | व | |
| म | क | ब | र | | था | | म | हा | न | ता |
| | | | वा | दा | | मा | स | | | |
| ह | म | रा | ही | | पा | | फ | र | मा | न |
| | यू | | क | हा | नी | का | र | | य | |
| ख | र | | | थी | | र | | | का | न |
| प | | ब | र | खा | | ना | र | द | | य |
| त | र | स | खा | ना | | मा | | म | न | न |



# फ्रीडा पिंटो ने दी करियर बदलने की सलाह

**हरलीन सेठी के एक्टिंग करियर की शुरुआत डांस से हुई। वह डांस करती थीं और सिखाती भी थीं। इसी दौरान उनकी मुलाकात 'स्लमडॉग मिलेनियर' फेम अभिनेत्री फ्रीडा पिंटो से हुई। फ्रीडा ने हरलीन से डांस की कुछ पर्सनल क्लासेस ली थीं। इसी दौरान उन्होंने हरलीन से एक्टिंग में आने के बारे में पूछा।**

फ्रीडा उस वक्त फिल्म 'डेजर्ट डांसर' की तैयारी कर रही थीं। उन्हें अपने बॉडी मूवमेंट और परफॉर्मेंस पर काम करना था। इसके लिए उन्होंने हरलीन से ट्रेनिंग ली। बातचीत में हरलीन ने बताया, 'जब मैं डांस इंस्ट्रक्टर थी और डांस सीखती और सिखाती थी, तब फ्रीडा पिंटो ने मेरे साथ कुछ क्लासेस की थीं। वह डांस और परफॉर्मेंस सीखना चाहती थीं। उन्हें अपनी बॉडी में थोड़ी एजिलिटी लानी थी। वह फिल्म 'डेजर्ट डांसर' करने जा रही थीं। इसलिए उन्होंने मेरे साथ पर्सनल ट्रेनिंग ली। हमने उनकी बॉडी मूवमेंट और फ्लूडिटी पर काम किया।'

## फ्रीडा की बात आज भी याद है

इसी दौरान फ्रीडा ने हरलीन से एक्टिंग में आने के बारे में पूछा। हरलीन के लिए यह बात खास थी, क्योंकि उस वक्त उन्होंने एक्टिंग को लेकर कोई प्लान नहीं बनाया था।

हरलीन ने कहा, 'फ्रीडा पिंटो उन पहले लोगों में से थीं, जिन्होंने मुझसे कहा कि तुम एक्टिंग क्यों नहीं करतीं? जब वह मुझसे डांस सीखती थीं, तो मैं उन्हें परफॉर्म करके दिखाती थी कि ऐसे करना है, ये करो। इसी वजह से हमारी अच्छी बॉन्डिंग हो गई थी। वह और उनकी बहन शायना बहुत स्वीट हैं। मैं उनकी बहुत बड़ी फैन हूं। हम साथ में काम किया करते थे।'

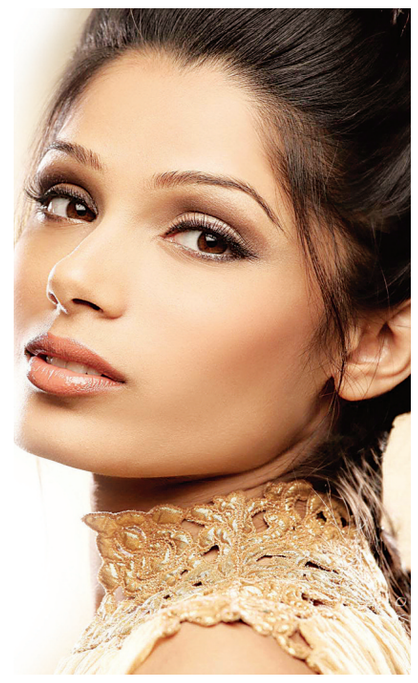
## मैं डायरेक्टर बनना चाहती थी

हरलीन उस समय एक्टिंग के बजाय डायरेक्शन में जाना चाहती थीं। उन्होंने बताया, 'मैं डायरेक्टर बनना चाहती थी। मैंने एडवरटाइजिंग में स्पेशलाइज किया था। मुझे हमेशा से पता था कि मुझे परफॉर्मिंग आर्ट्स में कुछ करना है। लेकिन बचपन से यह तय नहीं था कि आखिर करना क्या है। फिर मुझे लगा कि शायद मैं डायरेक्शन करूंगी।

डायरेक्टर एक्टर्स का कैप्टन होता है। तो मैंने सोचा कि मैं वहीं से अपनी जर्नी शुरू करती हूं।फिर मैंने बहुत सारी एड फिल्में करना शुरू कीं। वहां से मेरी जर्नी एक्चुअली शुरू हुई ..बिहाइंड द कैमरा।'

## इन प्रोजेक्ट्स में दिखीं हरलीन

बता दें कि करीब 13 साल के एक्टिंग सफर में हरलीन 'ब्रोकन बट ब्यूटीफुल', 'कोहरा', 'सुल्तान ऑफ दिल्ली', 'बी हैप्पी' और 'शक: ट्रस्ट नो वन' जैसे प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुकी हैं।





# पहले टीवी इंडस्ट्री में नकारात्मक किरदार को बिल्कुल बुरा दिखाते थे

अभिनेत्री रावी गुप्ता इन दिनों लोकप्रिय सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के दूसरे सीजन में 'दामिनी' (गौतम विरानी की पत्नी) के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि पहले की तुलना में आज काम करने का तरीका पूरी तरह से बदल गया है। उन्होंने बातचीत में कहा कि पिछले कुछ सालों में इंडस्ट्री बहुत तेजी से बढ़ी है और मुझे लगता है कि आगे भी बढ़ती रहेगी। उन्होंने कहा, 'इंडस्ट्री में बदलाव आगे भी जारी रहेगा, खासकर तकनीक के मामले में। अगर मैं 'क्योंकि सास भी बहू की तुलना-2' की तुलना पहले शो से करूं, तो दोनों की तकनीक में जमीन-आसमान का फर्क है। अभिनेत्री ने अपने किरदार पर बात करते हुए कहा, 'मेरा किरदार खुद ही एक सरप्राइज है। लोगों को लगा था कि दामिनी निगेटिव होगी, क्योंकि पिछले सीजन में मैंने निगेटिव रोल किया था। सबको लगा कि वह कुछ गलत करेगी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। असल में वह एक आम औरत है, जिसकी अपनी परेशानियां हैं। वह ज्यादा ड्रामा नहीं करती और यही इस किरदार को खास बनाती है।'

अभिनेत्री ने बताया कि पहले के मुकाबले अब उन्हें डेली सोप में बदलाव देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा, 'पहले के समय में निगेटिव रोल को बिल्कुल बुरा ही दिखाते थे, जैसे कि उनमें कुछ अच्छा है ही नहीं और उनकी हर चीज को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जाता था। खासकर महिलाओं के मामले में, अगर किरदार पॉजिटिव है, तो उसे देवी बना दिया जाता था, लेकिन अब मुझे बदलाव नजर आ रहा है। डेली सोप में भी अब किरदारों में गहराई देखने को मिल रही है, जो कि अच्छा बदलाव है।'

उन्होंने आगे कहा, 'एक समय था जब डेली सोप को लेकर सोच बन गई थी कि महिलाओं को हमेशा दबा हुआ दिखाया जाता था। उन्हें तभी अच्छा माना जाता था, जब वह परिवार के लिए कुर्बानी दें। असल, जीवन में इस तरह का दिखावा महिलाओं को पीछे धकेल सकता है। अब मैं देख रही हूं कि किरदार कैसे बदल रहे हैं। अब डेली सोप में महिलाओं को घरेलू हिंसा और मैरिटल रेप जैसे मुद्दों पर बात हो रही है, जो कि बहुत जरूरी है और ऐसे मुद्दे समाज में बहुत बड़ा असर भी छोड़ रहे है।



# प्रियंका चोपड़ा ने फहाद फासिल की तेलुगु फिल्म 'डोंट ट्रबल द ट्रबल' को दिया अपना समर्थन

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा ने फहाद फासिल की तेलुगु फिल्म 'डोंट ट्रबल द ट्रबल' को अपना समर्थन दिया है। इस फिल्म को एसएस कार्तिकेय ने प्रोड्यूस किया है और एसएस राजामौली ने इसे पेश किया है। जैसे ही फिल्म ने 2 अक्तूबर को बॉक्स ऑफिस पर अपनी शुरुआत की, अभिनेत्री ने पूरी टीम को शुभकामनाएं दी। प्रियंका चोपड़ा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिल्म का ट्रेलर शेयर किया और लिखा, 'इसे दुनिया के सामने आते देखकर बहुत खुशी हो रही है! कार्त, तुम्हें और 'डोंट ट्रबल द ट्रबल' की पूरी टीम को ढेर सारा प्यार और शुभकामनाएं।




## क्या है फिल्म की कहानी

'डोंट ट्रबल द ट्रबल' में फहाद फासिल ने सूरी नाम के एक जादूगर का रोल किया है। उसकी दोस्ती सारा पालेकर नाम की एक युवा लड़की से हो जाती है। कहानी में एक फैंटेसी मोड़ तब आता है, जब उस लड़की में अलौकिक शक्तियां आ जाती हैं। पता चलता है कि वह एक जिन्न है जो इच्छाएं पूरी कर सकती है। यह फिल्म शशांक येलेटी के निर्देशन में बनी पहली फिल्म है। 'एनिमल' फिल्म के कलाकार सौरभ सचदेवा ने भी इसमें अहम भूमिका निभाई है। इस फिल्म में फैंटेसी, एडवेंचर है। इसे परिवार के साथ देखने लायक बनाया गया है।

## 'वाराणसी' में प्रियंका

वहीं, प्रियंका चोपड़ा जोनास एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' के साथ भारतीय सिनेमा में अपनी वापसी की तैयारी कर रही हैं। इस फिल्म में महेश बाबू रुद्र के रोल में, प्रियंका चोपड़ा जोनास मंदाकिनी के रोल में और पृथ्वीराज सुकुमारन कुंभ के रोल में नजर आएंगे। राजामौली ने बताया है कि कहानी वाराणसी से शुरू होकर अंटार्कटिका, आफ्रीका और प्राचीन रोम तक जाएगी और फिर वापस अपनी शुरुआती जगह पर लौटेगी।



# विजय से सेट पर बहुत कुछ सीखती हूं

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना जल्द ही अपने पति विजय देवरकोंडा के साथ आगामी ड्रामा फिल्म 'रणबाली' में नजर आएंगी। शादी के बाद यह दोनों की पहली बड़ी फिल्म होगी, जिसमें वे साथ स्क्रीन साझा करेंगे। बुधवार को रश्मिका ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर 'आस्क मी एनीथिंग' सत्र आयोजित किया। इस दौरान एक प्रशंसक ने उनसे विजय देवरकोंडा के साथ काम करने का अनुभव पूछा। इस पर 'एनिमल' फेम अभिनेत्री ने कहा कि विजय के साथ काम करना हमेशा मजेदार रहता है, लेकिन काम के मामले में वह बेहद समर्पित और गंभीर रहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनके साथ काम करते हुए हमेशा बहुत कुछ सीखने को मिलता है। एक इंस्टाग्राम यूजर ने लिखा, 'हाय मैम, रणबाली के सेट पर विजय सर के साथ काम करने का आपका अनुभव कैसा रहा?' इसके जवाब में रश्मिका ने कहा, 'हमेशा बहुत सारा मजा आता है, लेकिन अगर गंभीरता से कहूं तो वह सेट पर अपने काम को लेकर बेहद समर्पित और गंभीर रहते हैं, जैसा कि आप सभी जानते हैं। हमेशा की तरह मुझे उनसे बहुत कुछ सीखने को भी मिलता है।' इससे पहले 'रणबाली' के निर्देशक राहुल सांकृत्यायन ने खुलासा किया था कि उन्होंने फिल्म में रश्मिका के किरदार का नाम अपनी मां के नाम पर रखा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'जब मैं 'रणबाली' लिख रहा था, तब इसकी दुनिया के हर छोटे-बड़े विवरण ने मुझे यादों में पहुंचा दिया। जब मैंने महिला नायिका का किरदार लिखा, तो मैंने उसे कुछ बहुत निजी चीज दी, मैंने उसे अपनी मां का नाम दिया।' उन्होंने आगे कहा, 'उसके हर भाव और अनुभव को लिखते समय मैंने पूरा ध्यान रखा कि वह ऐसी महिला बने, जो आज की महिलाओं को भी प्रेरित कर सके, भले ही वह किसी दूसरे दौर की पात्र हो।' इस बीच, रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा 'रणबाली' की शूटिंग पूरी कर चुके हैं। सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए निर्देशक राहुल सांकृत्यायन ने अपनी टीम का एक वीडियो साझा किया और लिखा, '130 दिनों की इस शानदार यात्रा का समापन हो गया। मेरी अथक और ऊर्जावान टीम का धन्यवाद।'



# संदीपा धर ने आतिश कपाड़िया को दिया कॉमेडी से परिचय कराने का श्रेय

मुंबई नेटफ्लिक्स की चुंबक अपने मजेदार किरदारों और हल्के-फुल्के हास्य के कारण दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। शो में संदीपा धर, किरण का किरदार निभा रही हैं, जो बाकी अजीबोगरीब किरदारों के बीच बेहद समझदार हैं। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए संदीपा धर ने कहा, किरण का किरदार निभाना मेरे लिए बिलकुल आसान नहीं था, क्योंकि वह शो की सबसे समझदार इंसान है। उसे अपने एक्शन से ही कॉमडी करना था, लेकिन साथ ही इस बात का ख्याल भी रखना था कि उसके एक्शंस बनावटी न लगें। हालांकि इस बारे में मैंने आतिश से काफी चर्चा भी की थी। संदीपा की माने तो आतिश कपाड़िया की कहानी सुनाने की शैली और किरदारों को जीवंत करने की उनकी कला ने ही उन्हें चुंबक से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। यही नहीं किरण के रूप में उनका संतुलित और सहज अभिनय शो की खासियत बनकर उभरा है और दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है।





# किसी फिल्म को 'पैन-इंडिया' बनाने का कोई तय फॉर्मूला नहीं हो

अभिनेता-निर्देशक कुणाल खेमू की फिल्म 'वाइब' का प्रदर्शन सिनेमाघरों में संतोषजनक नहीं रहा। एक बातचीत के दौरान एक्टर ने 'पैन-इंडिया' टैग के बारे में बात की। इसके साथ ही 'हनुमान अंश' के बारे में भी काफी कुछ कहा। कुणाल खेमू ने बातचीत में विशाल चतुर्वेदी द्वारा निर्देशित 'हनुमान अंश' पर भी चर्चा की। महज 2 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने 400 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया। इस पर एक्टर ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि यह सिर्फ अखिल भारतीय फिल्म है, यह एक अखिल अंतरराष्ट्रीय फिल्म बन गई है। दुनिया भर में हर कोई इस फिल्म को देख रहा है।' उन्होंने आगे अपनी बात को समझाते हुए कहा कि किसी फिल्म को 'पैन-इंडिया' बनाने का कोई तय फॉर्मूला नहीं होता। उनके अनुसार, यह टैग काफी हद तक एक व्यापारिक शब्द है, जो इस बात पर निर्भर करता है कि फिल्म अलग-अलग क्षेत्रों में कैसा प्रदर्शन करती है।' आगे अपनी बातचीत में कुणाल ने कहा, 'यही हमें उम्मीद देता है। एक कलाकार का सफर कई बार दिल टूटने, आश्चर्यों और चुनौतियों से भरा होता है। इसलिए, अंत में यह सब देखना वाकई दिल को छूने वाला, उत्साहवर्धक और आत्मविश्वास बढ़ाने वाला है। कुछ फिल्में ऐसी होती हैं जो पूरी तरह से कहानी पर आधारित होती हैं और दर्शकों को पसंद आती हैं, और यही बात बहुत मायने रखती है। वे तथाकथित मानदंडों या सफल फिल्म बनाने के किसी तय फॉर्मूले से निर्देशित नहीं होतीं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।